RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 291 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 09 अक्टूबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

यूपी में 5वीं बार बनेगी बसपा की सरकार : मायावती

बसपा सुप्रीमो ने कहा- यूपी में अकेले चुनाव लड़ेगी बसपा

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री मायावती ने कहा कि उत्तर प्रदेश में अब पांचवीं बार बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनेगी। वे आज कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर लखनऊ में आयोजित रैली को संबोधित कर रही थीं।

मायावती ने कहा कि इस रैली में अन्य दलों की तरह पैसे देकर लोग नहीं बुलाए गए हैं बल्कि अपनी खून-पसीने की कमाई खर्च कर आए हैं। इस रैली ने यहां पर हुई पहले सभी रैलियों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे लगता है कि 2027 में यूपी में एक बार फिर पूर्ण बहुमत से बसपा की सरकार बनेगी। उन्होंने वादा किया कि वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगी।

मायावती ने कहा कि जातिवादी दल संविधान को बदलने की कोशिश करते रहते हैं लेकिन हम ऐसा नहीं करने देंगे। भले ही इसके लिए कितना भी संघर्ष करना पड़े। बसपा ही एक ऐसी पार्टी है जो बाबा साहेब के संविधान को सुरक्षित रख सकती है। उन्होंने 2027 में समर्थकों से यूपी में बसपा सरकार बनाने का आह्वान किया। कहा कि इसके लिए बसपा समर्थकों को बूथ स्तर पर छोटी-छोटी सभाएं कर बसपा के यूपी में चार बार रहे शासनकाल की उपलब्धियों को बताना है।

मायावती ने कहा कि यूपी में बसपा अकेले ही चुनावी मैदान में उतरेगी क्योंकि गठबंधन करने पर बसपा का वोट तो सहयोगी दलों को मिल जाता है पर बसपा को उनका वोट नहीं मिलता है। बसपा ने यूपी में जब भी गठबंधन की सरकार बनाई तो सरकार कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई और पहले ही गिर गई। वहीं, जब पूर्ण बहुमत की सरकार बनीं तो सभी समाज के लोगों को विकास कार्य किए। इसलिए बसपा ने 2027 में भी अकेले चुनाव लड़ने का फैसला लिया है।

मायावती ने कहा कि प्रदेश में बसपा की सरकार बनने पर उन सभी कानूनों को बदल दिया जाएगा जो कि दलितों-पिछड़ों के खिलाफ हैं। राज्य में सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय की सोच वाली सरकार बनेगी। लोगों को अपनी रोजी-रोटी के लिए पलायन नहीं करना पड़ेगा।

मायावती ने कहा कि इन दिनों कुछ लोग एक दूसरे के धर्म पर टिप्पणी कर बवाल कर रहे हैं। ऐसे मामलों में हमें बाबा साहेब के संविधान को मानते हुए सभी के धर्मों का सम्मान करना चाहिए और इसकी आड़ में राजनीति नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सपा-कांग्रेस और भाजपा ने पदोन्नति में आरक्षण का विरोध किया और दलितों व पिछड़ों को उनका हक नहीं दिया। सपा ने तो सदन में पदोन्नति में आरक्षण का बिल तक फाड़ दिया था और इन वर्गों के लोगों के साथ अन्याय हुआ। इन सभी दलों में आरक्षण का विरोध किया।

सपा पर साधा निशाना

मायावती ने अपने भाषण के प्रारंभ में ही सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि अभी मैंने सुना कि अखिलेश यादव ने सत्ता में आने पर कांशीराम का स्मारक बनाने की बात कही लेकिन जब सत्ता में थे तो कभी ऐसा नहीं किया। ये लोग जब सत्ता में नहीं होते हैं तो इन्हें बसपा के नेता और दलित समाज के संतों की याद आती है जब सत्ता में आते हैं तो कुछ नहीं याद रहता है। ऐसे दोगले लोगों से सावधान रहना चाहिए। बसपा की सरकार रहते हुए मैंने जिन स्मारकों का नाम कांशीराम जी के नाम पर रखा उन्हें सपा की सरकार आने पर बदल दिया गया।

डिफेंडर कार चालक ने कई वाहनों को ठोंका

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के सड़क पर बीती रात करोड़ों रुपए की डिफेंडर कार की तेज रफ्तार कई लोगों के लिए मुसीबत बन गई। तेज रफ्तार की वजह से डिफेंडर कार का चालक संतुलन खो बैठा और उसने तीन कारों के अलावा सड़क किनारे खड़ी बाइक को टक्कर मार दी। हालांकि इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर चालक को हिरासत में ले लिया है।

नोएडा के सेक्टर-100 में रहने वाला सुनील बीती रात्रि अपनी डिफेंडर कर से आ रहा था। सेक्टर-129 स्थित गुलशन तिराहे के पास उसकी कार बेकाबू हो गई और स्विफ्ट डिजायर कार से टकरा गई। टक्कर लगने के बाद डिफेंडर कार एक के बाद एक तीन और गाड़ियों से टकरा गई। इस दौरान एक बाइक भी इसकी चपेट में आ गई। दुर्घटना में स्विफ्ट दजीरे कार तथा बाइक सवार को मामूली चोटे आई हैं। हादसे की जानकारी मिलने पर मौके पर थाना एक्सप्रेसवे पुलिस पहुंची।

पुलिस ने घायलों को प्राथमिक उपचार दिलवाया। इसके बाद पीड़ितों की शिकायत पर डिफेंडर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया। वहीं पूछताछ में डिफेंडर कार चालक ने पुलिस को बताया कि आगे जा रहे बाइक सवार को बचाने के फेर में यह हादसा हुआ है।

जबरन 5 करोड़ के चेक पर दस्तखत कराए, मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-3 में एक व्यक्ति ने दो नामजद व अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण कर जबरन पौने पांच करोड रुपए के चेक पर साइन करवाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में रहने वाले अविचंद न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि 13 मई 2025 को वह थाना फेस-3 पुलिस स्टेशन में पूछताछ के बाद बाहर आया। इस दौरान दिल्ली निवासी प्रवीण प्रधान और आकाश शर्मा तथा उनके तीन अज्ञात साथियों ने उससे कार की चाबी छीन ली और उसे जबरन कार में बैठा लिया। इसके बाद आरोपी उसे सेक्टर-74 स्थित नॉर्थ आई बिल्डिंग के पास सुनसान जगह पर ले गए और वहां उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट की। आरोपियों ने उसकी जान बख्शने के लिए उससे 5 करोड रुपए की मांग की। आरोपियों ने उस पर किसी परिजन से चेक बुक मंगाने का दबाव डाला। उसने अपने चचेरे भाई तरुण से घर से चेक बुक मंगवाकर आरोपियों ने 5 चेकों पर 4 करोड़ 62 लाख रुपए अंकित कर उसे साइन करा लिए। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

लाखों की नकदी व जेवरात चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-3 क्षेत्र के गढ़ी चौखंडी गांव में रहने वाले एक व्यक्ति के घर से चोरों ने दो लाख रुपए नगद, लाखों के जेवरात व अन्य सामान चोरी कर लिया। घटना के समय पीड़ित अपने परिजनों के साथ अपने पैतृक गांव गया हुआ था। ग्राम गढ़ी चौखंडी में रहने वाले सौरभ कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह मूल रूप से थाना जारचा क्षेत्र के ग्राम कलौंदा का रहने वाला है। 3 सितंबर के शाम को वह अपने परिवार के साथ अपने गांव गया था दो दिन बाद जब वह अपने गांव से वापस लौटा तो उसके मकान **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

मेंढ़ तोड़ने के विवाद में चार पर जानलेवा हमला

नोएडा (चेतना मंच)। खेत की जुताई के दौरान मेंढ़ तोड़ने का विरोध करना किसान को महंगा पड़ा। आरोपी ने अपने भाइयों के साथ मिलकर किसान व उसे बचाने आए अन्य लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया। इस संबंध में थाना जेवर में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। ग्राम जेवर खादर निवासी विक्रम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 5 अक्टूबर की सुबह वह अपने खेत पर पहुंचा। यहां पर ओमकार पुत्र राम प्रसाद अपने खेत में जुताई कर रहा था। जुताई के दौरान ओमकार ने उसके खेत की मेंढ़ तोड़ दी। उसने जब ऐसा करने से मना किया तो ओमकार गाली गलौज पर उतर आया और उसके साथ मारपीट करने लगा। इस दौरान शोर शराबा सुनकर गांव के ही हरिश्चंद्र, प्रेम सिंह, कन्हैया उसे बचाने पहुंचे। ओमकार ने मौके पर अपने भाई हरपाल, लायक राम और देवराज को बुला लिया। लाठी-डंडों से लैस चारों आरोपियों ने सभी को पीटना शुरू कर दिया। मारपीट में चारों को काफी चोटें आई। इसके बाद आरोपी जान बचाने की धमकी देकर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

कांशीराम को दलित उत्थान सेवा समिति ने दी श्रद्धांजलि

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-37 स्थित डा. भीमराव अम्बेडकर पुस्तकालय में आज उपेक्षितों, वंचितों, शोषितों और दलितों के प्रखर स्वर में आवाज बुलंद करने वाले कांशीराम की पुण्यतिथि पर दलित उत्थान सेवा समिति, नोएडा द्वारा उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी गयी।

इस मौके पर समिति के संरक्षक गणेश जाटव ने कहा कि कांशीराम को सामाजिक न्याय के लिए आपके संघर्षों को सदैव स्मरण किया जाएगा। इस मौके पर प्रितम सिंह, सतपाल सिंह, सुरेन्द्र पाल सिंह, जगत सिंह, राज कुमार 'मोनू', प्रवेश कुमार, रोहित चौधरी, विवेक जाटव, राजेन्द्र सिंह, संजीव कुमार आदि ने श्रद्धासुमन अर्पित किये।

'नशा माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई करें'

नशा व्यक्ति नहीं बल्कि समाज की संरचना को प्रभावित करता है : मेधा रूपम

नोएडा (चेतना मंच)। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने कहा कि नशा तथा नशा माफियाओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में नार्को कोर्डिनेशन सेंटर के तहत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नशे और अवैध शराब के प्रभावी नियंत्रण के लिए ठोस योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई और साथ ही विशेष प्रवर्तन अभियान के संचालन हेतु समिति का गठन किया गया।

जिलाधिकारी ने कहा कि नशे की समस्या केवल व्यक्तियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे समाज की संरचना और सुरक्षा को प्रभावित कर रही है। उन्होंने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आपसी समन्वय और सहयोग से जनपद में नशे के विरुद्ध ठोस और समयबद्ध कदम उठाए जाएं।

जिलाधिकारी कहा कि नशा मुक्ति केंद्रों के प्रभावी निरीक्षण के लिए अधिकारी टीमें गठित की जाये, जो समय-समय पर नशा मुक्ति केंद्रों का निरीक्षण करेंगी और उनके संचालन की गुणवत्ता तथा मानकों के अनुरूपता सुनिश्चित करेंगी। इसके साथ ही नशे के विरुद्ध जन-जागरूकता अभियानों को और व्यापक एवं प्रभावी बनाने के लिए मेडिकल कॉलेज, विश्वविद्यालय, शिक्षण संस्थान, आरडब्ल्यूए और स्वयंसेवी संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित की जाए, ताकि यह अभियान हर क्षेत्र में चलाया जा सके।

जिलाधिकारी ने शिक्षण संस्थानों, छात्रावासों और पीजी आवासों में औचक निरीक्षण कराने, 'नशा मुक्त परिसर' का शपथ पत्र लेने और उत्कृष्ट कार्य करने वाले संस्थानों को प्रशासन द्वारा सम्मानित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने यह भी कहा कि अभियान को मीडिया **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

मुठभेड़ में एक लाख का इनामी बदमाश शैतान ढेर

बरेली (एजेंसी)। आज तड़के नैनीताल रोड के बिलवा पुल के पास गूंजे गोलियों के शोर ने अपराध जगत की रीढ़ हिला दी। यह वही मुठभेड़ थी, जिसमें पुलिस ने एक लाख के इनामी डकैत शैतान उर्फ इफ्तेखार उर्फ सोल्जर को ढेर कर दिया।

पुलिस के रिकॉर्ड में यह डकैत 19 संगीन मामलों में वांछित था जिनमें चार हत्याएं और कई डकैतियां शामिल थीं। वर्ष 2006 में फरीदपुर के पचौमी मंदिर के पुजारी की हत्या और लूट के मामले में यह मुख्य आरोपी था। 2012 में यह बाराबंकी पुलिस कस्टडी से फरार हो गया था और तभी से उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली और उत्तराखंड तक फैले अपराध जगत में इसकी दहशत बनी हुई थी। **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

कार के चारों पहिये ले गये चोर

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर- 31 में रहने वाले एक व्यक्ति के घर के बाहर खड़ी कार के चारों पहिए चोरी हो गए। चोर कार को ईंटों पर खड़ा कर पहिए लेकर रफूचक्कर हो गए। पीड़ित ने थाना सेक्टर-20 में मुकदमा दर्ज कराया है। निठारी गांव में रहने वाले गोलू गुप्ता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह सेक्टर-31 में अशोक आर्य के यहां ड्राइवर है 26 सितंबर की रात्रि को उसने उनकी गाड़ी ए ब्लॉक में गेट नंबर-4 के सामने खड़ी की थी। 27 सितंबर की सुबह जब वह गाड़ी साफ करने के लिए आया तो उसके चारों पहिए गायब थे। चोर कार को ईंटों पर खड़ा कर पहिए चोरी कर ले गए। उसने आसपास के लोगों से इस मामले में जानकारी लेने का प्रयास किया लेकिन चोरी हुए टायरों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

भंगेल एलीवेटिड व जंगल ट्रेल का लोकार्पण दीपावली के पूर्व!

नोएडा (चेतना मंच)। दीपावली के पूर्व भंगेल एलीवेटिड रोड तथा सेक्टर-94 में बना नोएडा जंगल ट्रेल का लोकार्पण हो जाएगा। सूत्रों की मानें तो उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 15-20 अक्टूबर के बीच उक्त दोनों प्रोजेक्ट का लोकार्पण करेंगे।

इसमें डीएससी रोड पर तैयार भंगेल एलिवेटेड और सेक्टर-94 में बना नोएडा जंगल ट्रेल है। इन दोनों का निर्माण पूरा हो चुका है।15 से 20 अक्टूबर के बीच इसका उद्घटन किया जाएगा। एलिवेटेड खुलने से एक्सप्रेस वे पर ट्रैफिक भार कम होगा। साथ ही ग्रेटरनोएडा जाने के लिए एक और लिंक मिलेगा। जिससे हजारों लोगों को फायदा होगा। सीईओ लोकेश एम ने बताया कि सीएम से उद्घाटन के लिए समय लिया जा रहा है।

नोएडा में दादरी-सूरजपुर-छलेरा (डीएससी) रोड पर बन रहे भंगेल एलिवेटेड रोड के काम पूरा हो चुका है। यह परियोजना पहले से ही करीब तीन साल देरी से चल रही है। निर्माण में 608 करोड रुपए खर्च किए जा रहे है। यह एलिवेटेड रोड सेक्टर-41 अगाहपुर से फेज-टू के गंदे नाले के पास तक है। इसका काम जून 2020 में शुरू किया गया था। एलिवेटेड के प्रत्येक कर्व पर कवरिंग शीट भी लगाई जाएगी। रोड पर दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

इस एलिवेटेड रोड के लिए सेक्टर-49-107 चौराहे पर दोनों ओर दो-दो लूप बनाया जाना प्रस्तावित है। सेक्टर-37 से आकर सेवन एक्स सेक्टरों की ओर जाने के लिए हनुमान मूर्ति के पास लूप उतरेगा। इसी तरह सेवन एक्स से फेज टू की ओर से सूरजपुर की ओर जाने वालों के लिए लूप चढ़ाया जाएगा। इसके दूसरी तरफ सेक्टर-107 की ओर चढ़ने-उतरने के लिए लूप बनाए जाएंगे।

डीएससी रास्ते पर अगाहपुर पेट्रोल पंप से एलईजेड तक करीब 4.5 किमी लंबी एलिवेटड है। इसके निर्माण में करीब 608.81 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे है।

इसका निर्माण पूरा किया जा चुका है। अप्रैल 2025 की इसकी डेडलाइन है। हालांकि अभी इसमें समय लगेगा। इसके निर्माण के बाद एलिवेटड पर लूप बनाए जाएंगे इसके लिए अलग से टेंडर जारी होगा।

सेक्टर-44 में महामाया फ्लाईओवर और ओखला पक्षी विहार के बीच बन रहे जंगल ट्रेल 15 करोड़ में बनाया गया है। यहां एडवेंचर भी किया जा सकेगा। इसके लिए जंगल में की जाने वाली एक्टविटी को भी शामिल किया है। जैसे रॉक क्लाइंबिंग, जिप लाइन, जिप साइकलिंग के अलावा और अधिक एडवेंचर गेम्स को जंगल ट्रैल में शामिल किया गया है। जून 2024 में पीपीपी मॉडल पर पार्क **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

450 परिवारों को अदालती निर्देश से मिलेगी राहत

नोएडा (चेतना मंच)। सुप्रीमी कोर्ट ने सेक्टर-150 के स्पोर्ट्स सिटी प्रोजेंट में फंसे करीब 450 परिवारों को राहत दी है।

अदालत ने नोएडा प्राधिकरण को निर्देश दिया है कि वह छह आवासीय टावरों के लिए बिल्डर को कंडीशनल अधिभोग प्रमाणपत्र (ओसी) जारी करे। यह फैसला गोदरेज नेस्ट में अपने घरों का इंतजार कर रहे लगभग 450 परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस आदेश का अवलोकन नोएडा प्राधिकरण ने 219वीं बोर्ड में लिया।

एसीईओ सतीश पाल ने बताया कि आदेश का अध्ययन करने के बाद बायर्स को राहत देने के लिए अब इसे आगामी बोर्ड में लाया जाएगा। वहां से अप्रूवल मिलने के साथ ही बिलडर को कंडीशनल सीसी जारी किया जा सकता है। यह राहत केवल इन छह टावरों तक सीमित है और स्पोर्ट्स सिटी की अन्य परियोजनाओं के लिए मिसाल नहीं बनेगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने ब्रिक राइज़ डेवलपर्स की याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया था । ब्रिक राइज़, लोटस ग्रीन्स कंस्ट्रक्शन्स के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम का हिस्सा है, जिसने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फरवरी 2025 के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें प्रोजेक्ट में अनियमितताओं, देरी और बकाया राशि का उल्लेख करते हुए ओसी रोकने के निर्देश दिए गए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जिन छह टावरों के आवेदन प्राधिकरण के **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

बदमाश गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से तमंचा कारतूस बरामद हुए हैं। पकड़े गए दोनों बदमाश आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। थाना सेक्टर-20 प्रभारी डी के शुक्ल ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। गश्त के दौरान पुलिस टीम भगत सिंह पार्क के पास बने शौचालय के पास पहुंची। इस दौरान मुखबिर ने सूचना दी कि पार्क के भीतर एक बदमाश बैठा हुआ है और उसके पास अवैध असलहा है। पुलिस टीम ने पार्क में बेंच के भीतर बैठे एक व्यक्ति को दबोच लिया। तलाशी में उसके पास से तमंचा, कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम समीर यादव पुत्र जयप्रकाश निवासी हाइड्रिल कॉलोनी सेक्टर-20 बताया। वहीं थाना सेक्टर-39 पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी कि ग्राम सलारपुर की तरफ से हाजीपुर की तरफ एक बदमाश बाइक से जाने वाला है। बदमाश के पास अवैध हथियार भी है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने चेकिंग शुरू कर दी। चेकिंग के दौरान सलारपुर **(शेष पृष्ठ-4 पर)**

चाकचौबंद चुनाव आयोग

आखिरकार, चुनाव आयोग द्वारा बिहार विधानसभा के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद चुनावी सरगर्मियां तेज हो गई हैं। दो दशक में पहली बार इतनी कम अवधि तथा दो चरणों में मतदान छह व ग्यारह नवंबर को होगा और मतगणना चौदह नवंबर को होगी। विवादों के केंद्र में रही चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पर विपक्ष की राजनीति राजग गठबंधन को चुनौती देगी। एक घटक, जन सुराज पार्टी के प्रशांत किशोर भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। जो पलायन व भ्रष्टाचार के मुद्दे को पार्टी का लक्ष्य बता रहे हैं। बहरहाल, लोकसभा चुनाव सात चरण में कराने के खट्टे अनुभवों से सबक लेकर चुनाव आयोग ने विपक्षी दलों की मांग पर विधानसभा चुनाव दो चरणों में समेटने का निर्णय लिया है। लेकिन यह तय है कि जिस तरह आनन-फानन में पर्याप्त तैयारियों की कमी के बीच एसआईआर को अंजाम दिया गया, उसको लेकर तमाम तरह के सवाल उभरते ही रहेंगे। यहां तक कि मामले में बार-बार शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा। अभी आयोग को उन लोगों की शिकायत का सामना करना पड़ेगा, जो वोटर लिस्ट में अपना नाम नहीं देख पा रहे हैं। बहरहाल, एक बात तो तय है कि दो दशक से बिहार की राजनीति के केंद्र में बने हुए नीतीश कुमार को सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि राजग नेतृत्व को उम्मीद है कि हाल के दिनों में कराए गए विकास कार्य तथा लोकलुभावनी योजनाओं की बरसात से वोटों की फसल सींची जा सकेगी। ये आने वाला वक्त बताएगा कि बिहार का जनमानस नीतीश को फिर से गद्दी सौंपता है या फिर उत्साहित महागठबंधन को सत्ता में आने का मौका देता है। कांग्रेस व राजद का कई मतभेदों के बावजूद एकजुट रहना सुशासन बाबू के लिये मुश्किलें जरूर पैदा कर सकता है। इन चुनावों में मोदी-शाह की प्रतिष्ठा का भी मूल्यांकन होगा। नीतीश कुमार की प्रतिष्ठा भी इन चुनावों में दांव पर लगी है कि क्या वे दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले पाएंगे। बहरहाल, इस बार सुशासन बाबू की प्रतिष्ठा भी दांव पर है, जब विपक्ष ने भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था के सवाल को बड़ा मसला बना दिया है। जिस मुद्दे पर नीतीश अब तक राजद सरकार को जंगल राज बताकर घेरते रहे हैं, वही अस्त्र अब महागठबंधन की ओर से चलाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर विपक्ष एसआईआर विवादों के आलोक में मतदाताओं में असमंजस की बात कह रहा है। उसकी दलील है कि अब जब चुनाव में कुछ ही हफ्ते बाकी हैं विशेष गहन पुनरीक्षण अभी भी न्यायिक जांच के दायरे में है। दरअसल, शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग से अंतिम मतदाता सूची से बाहर किए गए 3.66 लाख मतदाताओं का विवरण उपलब्ध कराने को कहा है। दरअसल, 24 जून को चुनाव आयोग द्वारा एसआईआर अभियान शुरू करने के बाद मतदाताओं की संख्या में खासा फेरबदल होता रहा है। अभियान शुरू करते वक्त बिहार में मतदाताओं की संख्या 7.9 करोड़ थी, फिर एक अगस्त को जारी मसौदा सूची में यह संख्या घटकर 7.24 करोड़ रह गई। मृत्यु,प्रवास और दोहराव सहित विभिन्न आधारों पर 65 लाख मतदाताओं के नाम हटा दिए गए थे। अब अंतिम सूची में 7.42 करोड़ मतदाता हैं। मसौदा सूची में 21.53 लाख नाम जोड़े गए हैं और कुल 3.66 लाख नाम हटा दिए गए हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने राजनीतिक दलों और अन्य हितधारकों की दुविधा दूर करने के लिये चुनाव आयोग से कुछ सवालों का जवाब तुरंत देने को कहा है। निस्संदेह, न्यायालय के हस्तक्षेप के कारण, एसआईआर में कुछ हद तक पारदर्शिता देखी गई है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग को उन अवैध प्रवासियों की संख्या साझा करने की जरूरत है, जिनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए थे। उम्मीद की जानी चाहिए कि अखिल भारतीय एसआईआर शुरू करने से पहले बिहार से सबक लेकर सामने आई कमियों को दूर करने की दिशा में चुनाव आयोग पहल करेगा। अब ये आने वाला वक्त बताएगा कि महिलाओं, दिव्यांगों व बुजुर्गों के लिये बड़े पैमाने पर की गयी घोषणाओं का कितना लाभ सुशासन बाबू को मिलता है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि बाग और सरोवर को देखकर प्रभु श्री रामचन्द्रजी भाई लक्ष्मण सहित हर्षित हुए। यह बाग (वास्तव में) परम रमणीय है, जो (जगत को सुख देने वाले) श्री रामचन्द्रजी को सुख दे रहा है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

चहुँ दिसि चितइ पूँछि मालीगन। लगे लेन दल फूल मुदित मन॥
तेहि अवसर सीता तहँ आई। गिरिजा पूजन जननि पठाई॥

चारों ओर दृष्टि डालकर और मालियों से पूछकर वे प्रसन्न मन से पत्र-पुष्प लेने लगे। उसी समय सीताजी वहाँ आईं। माता ने उन्हें गिरिजाजी (पार्वती) की पूजा करने के लिए भेजा था॥

संग सखीं सब सुभग सयानीं। गावहिं गीत मनोहर बानीं॥
सर समीप गिरिजा गृह सोहा। बरनि न जाइ देखि मनु मोहा॥

साथ में सब सुंदरी और सयानी सखियाँ हैं, जो मनोहर वाणी से गीत गा रही हैं। सरोवर के पास गिरिजाजी का मंदिर सुशोभित है, जिसका वर्णन नहीं किया जा सकता, देखकर मन मोहित हो जाता है॥।

मज्जनु करि सर सखिन्ह समेता। गई मुदित मन गौरि निकेता॥
पूजा कीन्हि अधिक अनुरागा। निज अनुरूप सुभग बरु मागा॥

सखियों सहित सरोवर में स्नान करके सीताजी प्रसन्न मन से गिरिजाजी के मंदिर में गईं। उन्होंने बड़े प्रेम से पूजा की और अपने योग्य सुंदर वर माँगा॥

(क्रमशः..)

बिहार में सियासी ऊंट किस करवट बैठेगा

लोकतंत्र की जननी बिहार के राजनेतागण अपनी व्यक्तिगत, गुटगत, पार्टीगत और गठबंधनगत सियासी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के लिए चुनावी जनादेश को अकसर धत्ता बताने के आदी समझे जाते हैं। पहले जब यहां कांग्रेस का एकछत्र राज या जनता पार्टी-जनता दल का छिटपुट राज हुआ करता था, तब मुख्यमंत्री बदल दिए जाते थे। लेकिन जब क्षेत्रीय दलों के रहनुमा लालू प्रसाद (राजद) या नीतीश कुमार (जदयू) की सियासी चलती आई तो मुख्यमंत्री कम, गठबंधन साथी बदलने की एक नई परिपाटी शुरू हो गई। लोजपा नेता स्व. रामविलास पासवान और अब उनके पुत्र केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, हम नेता व केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी, रालोसपा नेता उपेंद्र कुशवाहा, वीआईपी पार्टी नेता मुकेश सहनी के अलावा वामपंथी दलों ने इनका खूब साथ दिया।

बताया जाता है कि इसके पीछे कांग्रेस और भाजपा के केंद्रीय व सूबाई नेतृत्व की अदूरदर्शिता भरी मनमानी तथा राजद और जदयू आदि क्षेत्रीय दलों के घात-प्रतिघात की सियासत की भी बड़ी भूमिका रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि टीम मोदी इसबार इन राजनीतिक कुप्रथाओं को रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। तभी तो केंद्रीय मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव को सभी चुनावों की मां बताया है। क्योंकि समझा जा रहा है कि यह इलेक्शन कई कारणों से बिहार की सियासत को बिल्कुल नया रंग देने वाला है। यह ठीक है कि पिछले दो दशकों से एनडीए ने बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार को मुख्य केंद्रीय भूमिका में बनाए रखा है और भाजपा को इसकी भारी चुनावी कीमत भी चुकानी पड़ी है। शायद इसलिए कि मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और विगत तीन-साढ़े तीन दशकों उसके चहेते नेता लालू प्रसाद (राजद) व उनके पुत्र व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को सूबाई सत्ता से दूर रखा जा सके। कहा जाता है कि बिहार में लालू प्रसाद के सियासी कुनबे को स्थायित्व देने, दिलवाने में कांग्रेस की बहुत बड़ी भूमिका रही है। इसलिए भाजपा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सभी मनमानियों को बर्दाश्त करते हुए उन्हें अपने पाले में मिलाए रखती है। दो दो बार नीतीश कुमार भाजपा से दूर भी गए, लेकिन उन्हें निकट लाने का कोई भी मौका भाजपा ने नहीं गंवाया।

फिलवक्त यह चर्चा है कि 2025 का चुनाव नीतीश कुमार के जीवन का शायद आखिरी इलेक्शन हो सकता है। चूंकि बिहार की महिलाओं और एमबीसी मतदाताओं पर नीतीश कुमार की शुरू से पकड़ रही है, इसलिए इस बार महिलाओं और अति पिछड़ा वर्ग के मतदाताओं के बीच उनकी लोकप्रियता की परीक्षा होगी। वैसे तो सवर्णों और अल्पसंख्यकों को भी मुगालते में रखने में वो सफल रहे हैं, लेकिन इस बार की सियासी स्थिति काफी बदल चुकी है। कई ऐसे सियासी प्रसंग छिड़े, जिनसे नीतीश कुमार बेनकाब हो चुके हैं। यह ठीक है कि गठबंधन में बार-बार बदलाव करके नीतीश कुमार राजनीतिक समीकरण के केंद्र में बने रहे। लेकिन, इस बार उनके सामने अपने विधायकों के खिलाफ बढ़ती नाराजगी, मंत्रियों पर भ्रष्टाचार के गम्भीर आरोप और राजद सुप्रीमो तेजस्वी यादव व कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अलावा जनसुराज पार्टी के प्रशांत किशोर की मजबूत चुनौती उनके समक्ष है।

जदयू नेता नीतीश कुमार को यह याद है कि 2020 में लोजपा नेता चिराग पासवान ने एनडीए से अलग होकर जदयू के खिलाफ चुनाव लड़ा था, जिससे जदयू की सीटें भाजपा के मुकाबले काफी कम होकर महज 43 तक सिमट गईं। लेकिन इस बार एनडीए के लिए राहत की बात यह है कि चिराग पासवान की लोजपा (राम विलास) गठबंधन में बनी हुई है और साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। इससे एनडीए को चिराग के 5 प्रतिशत पासवान वोट आधार के अलावा दलित मतों पर भरोसा है, जो कि इस चुनाव में निर्णायक साबित हो सकता है। वहीं, एनडीए के पूर्व सहयोगी वीआईपी नेता मुकेश साहनी,जो 2020 में एनडीए के साथ रहकर चार सीटें जीते थे, इस बार वह इंडिया गठबंधन में शामिल हो गए हैं। इससे गंगापुत्र वोटों की क्षति भाजपा को उठानी पड़ सकती है।

वैसे महागठबंधन में सीट बंटवारे पर वीआईपी पार्टी की भी बातचीत चल रही है। इससे इंडिया गठबंधन को उम्मीद है कि साहनी के निषाद समुदाय का समर्थन मिलेगा, जो मिथिलांचल, सीमांचल, अंग और चंपारण में

अहम वोटर समझे जाते हैं। यह उनकी जीत में मदद करेगा। शायद यह बिहार में पहला ऐसा चुनाव है जिसमें नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने मुफ्त योजनाओं की झड़ी लगा दी और नकद धनराशि देने पर भी जोर दिया है। यह उसकी सामान्य रणनीति से अलग है।

यही वजह है कि गत सोमवार को आदर्श आचार संहिता लागू होने से ठीक पहले नीतीश ने मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 21 लाख महिलाओं को 10 हजार रुपये भेजे। इस प्रकार से कुल मिलाकर राज्य सरकार ने 1.21 करोड़ महिलाओं को 12,100 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए हैं। वहीं, अगले 29 लाख लाभार्थियों के लिए शेड्यूल जारी हो चुका है। हालांकि, आगे के हस्तांतरण के लिए निर्वाचन आयोग की मंजूरी जरूरी होगी। इसके अलावा, पेंशन राशि को 400 रुपये से बढ़ाकर 1100 रुपये प्रति माह किया गया है। वहीं, कई सरकारी कर्मचारियों के मानदेय में वृद्धि की गई है। यह सब नीतीश कुमार ने इसलिए किया ताकि विरोधियों को सियासी शिकस्त दी जा सके।

हालांकि, सवर्णों के वोट आधार पर अपनी-अपनी सियासत चमकाने वाली जदयू-भाजपा को इस बार जनसुराज पार्टी के संस्थापक व मशहूर चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के रूप में एक नई चुनौती मिल रही है, जो तेजस्वी यादव से ज्यादा खतरनाक है। ऐसा इसलिए कि कई वर्षों बाद बिहार में एक ऐसा नया चेहरा चर्चा में है जो सवर्ण पृष्ठभूमि का है। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर पिछले तीन वर्षों से राज्य में प्रचार कर रहे हैं और उनकी ओर से लगाए गए सरकारी भ्रष्टाचार के आरोप पूरे राज्य में चर्चा का विषय बने हुए हैं। इससे सत्तारूढ़ और विपक्षी गठबंधन दोनों सतर्क हो गए हैं। हालांकि, अभी यह देखना बाकी है कि क्या वह इन चर्चाओं को वोटों में बदल पाएंगे।

इस तरह 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव न केवल नीतीश कुमार की विरासत की परीक्षा लेगा, बल्कि भाजपा के नए चेहरों और विपक्ष की बदलती रणनीतियों के साथ सियासत को नया आयाम भी देगा। इसलिए बिहार में चुनाव को प्रभावित करने वाले कतिपय महत्वपूर्ण व प्रमुख फैक्टर्स का विश्लेषण करना लाजिमी है, जो यह निर्धारित कर सकते हैं कि सत्तारूढ़ एनडीए सत्ता में बनी रहेगी या फिर जनता विपक्षी गठबंधन को समर्थन देकर आश्चर्यचकित कर देगा, या फिर 2025 की तरह ही एक बार फिर त्रिशंकु सरकार बनेगी।

बिहार में चुनावी बिगुल आधिकारिक तौर पर बज चुका है। चुनाव आयोग द्वारा 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में वोटिंग के ऐलान के साथ, एक बेहद अहम राजनीतिक मुकाबले का मंच तैयार है। लेकिन इस अहम मुकाबले में किसका पलड़ा भारी है? 14 नवंबर को नतीजों का इंतज़ार रहेगा। यूँ तो तमाम चुनाव पूर्व आए मतदाता सर्वेक्षण में एनडीए के लिए अंकगणितीय बढ़त की बात बताई जा रही है, लेकिन कागज़ों पर और सियासी जमीन पर यह गणनात्मक दौड़ कितनी सही बैठी, इसका खुलासा 14 नवम्बर को ही हो पाएगा। यह ठीक है कि राजनीतिक अंकगणित के आधार पर एनडीए की स्पष्ट बढ़त से चर्चा शुरू होती है, लेकिन विपक्ष को हल्के में लेना उसकी बड़ी भूल साबित हो सकती है। यह ठीक है कि सत्तारूढ़ एनडीए में बीजेपी, जेडीयू, जीतन राम मांझी की पार्टी, चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा आदि शामिल हैं। इसलिए यह गठबंधन संख्याबल के रूप से विपक्ष यानी आरजेडी, कांग्रेस और वामपंथी दलों के गुट से ज़्यादा मज़बूत प्रतीत है, वो भी तब जब सवर्ण व मुस्लिम वोटों का बंटवारा न हो।

राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि भले ही आंकड़ों का गणित एनडीए के पक्ष में हो सकता है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर बिखरे हुए राजनीतिक समीकरण मुकाबले को और अधिक दिलचस्प बना देते हैं। ज़्यादातर सर्वेक्षणों से पता चलता है कि आरजेडी के तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री पद के लिए पसंदीदा विकल्प हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी चुनौती उनका पारिवारिक कलह है। वहीं, आरजेडी के पारंपरिक मुस्लिम-यादव (एम-वाई) वोट आधार से आगे खासकर सवर्णों के बीच उनकी अपनी अपील का विस्तार करना है, जिससे मुकाबला रोचक हो सकता है।

इसी बीच काबिलेगौर है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 20 साल की सत्ता-विरोधी लहर से जूझ रहे हैं और मोदी-शाह के बढ़ते दबाव के चलते कुछ लोग उन्हें हाल के वर्षों में एक कमज़ोर नेता के रूप में देखते हैं। इससे वे अपनी पार्टी के लिए एक संपत्ति और एक बोझ दोनों बन चुके हैं। हालांकि एकमुखी दल के लिए यह आम बात है। वे एक सियासी सम्पत्ति इसलिए हैं क्योंकि उन्हें करीब 15 प्रतिशत वोट शेयर लगातार मिलता आया है। और एक बोझ इसलिए भी हैं क्योंकि वे सत्ता-विरोधी लहर का चेहरा हैं। दो दो बार तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री उन्होंने बनवाया है, इसलिए उनपर लोगों का भरोसा करना कठिन हो जाता है। लिहाजा, अहम सवाल यह है कि क्या नीतीश कुमार अपनी सियासी ज़मीन बचा पाएंगे या अब उनका स्थायी पतन हो रहा है। यदि ऐसा हुआ तो भाजपा के सुनहरे सपने भी ध्वस्त हो जाएंगे। क्योंकि 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव और 2027 में उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव पर बिहार के जनादेश का सीधा असर पड़ेगा।

इसबार के चुनाव की खास बात यह भी है कि कल्याणकारी योजनाएं बनाम सत्ता-विरोधी भावना का लिटमस टेस्ट यहां होना है। यूँ तो फ्रीबीज से कई नई सरकारें बन चुकी हैं और पुरानी सरकारें भी बची हैं। इसलिए एनडीए ने बिहार में भी फ्रीबीज के प्रयोग को दोहरा दिया है। बताया जाता है कि मतदाताओं की बेचैनी दूर करने के लिए ही एनडीए सरकार ने हाल के महीनों में महिलाओं और युवाओं को टारगेट करते हुए प्रत्यक्ष नकद लाभ योजनाओं की एक सीरीज शुरू की है। चूंकि मतदाताओं के हाथों में सीधे पैसा पहुंचाने की रणनीति मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और उड़ीसा जैसे अन्य राज्यों में भी कारगर साबित हुई है। ऐसे में प्रत्यक्ष कल्याणकारी लाभ क्या पारंपरिक जातिगत समीकरणों को तोड़ सकते हैं, यह यक्ष प्रश्न बना हुआ है। वहीं, फ्रीबीज की घोषणा बिहार में सत्ता-विरोधी भावना को दूर करने का एक शक्तिशाली साधन हो सकते हैं। ऐसा राजनीतिक विश्लेषक भी मानते हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव का सबसे दिलचस्प और अप्रत्याशित पहलू राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर की एंट्री है। उनके बड़े चुनाव प्रचार अभियान ने स्थानीय और बाहरी हर तरह के लोगों का ध्यान खींचा है, लेकिन असली परीक्षा उस उत्साह को वोटों में बदलना है। राजनीतिक सूत्र बताते हैं कि अगर जनसुराज पार्टी 10 फीसदी से ज़्यादा वोट हासिल कर लेती है, तो मुकाबला काफ़ी खुला हो सकता है। यह बात सबको मालूम है कि 2020 का चुनाव सिर्फ़ 12,000 वोटों के बेहद कम अंतर से तय हुआ था, इसलिए प्रशांत किशोर की एक छोटी सी भी बढ़त दोनों प्रमुख गठबंधनों के वोट खींचकर अंतिम परिणाम को नाटकीय रूप से बदल सकने की क्षमता रखती है।

बहरहाल, बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है, जिससे साफ है कि बिहार में दो चरणों में विधानसभा चुनाव होंगे। बिहार में पहले चरण के लिए 6 नवंबर जबकि दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को वोटिंग होगी। वहीं नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। इस बीच एक ओपिनियन पोल आया है जिसमें एनडीए गठबंधन को प्रचंड बहुमत में मिलता दिखाई दे रहा है। ढ्ढहस्-स्न्नत्र्र्द्धश्च ओपिनियन पोल के अनुसार बिहार में बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है, क्योंकि इस ओपिनियन पोल के अनुसार बिहार में बीजेपी को 80 से 85 सीटें मिल सकती है जबकि जनता दल यूनाइटेड को 60 से 65 सीटें मिल सकती है। वहीं जीतनराम मांझी की हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा को 3 से 6, चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी को 4 से 6, उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा को एक से दो सीट मिल सकती है।

वहीं अगर महागठबंधन की बात करें तो आरजेडी को 60 से 65 सीटें मिल सकती हैं। जबकि कांग्रेस को 7 से 10, सीपीआईएमएल को 6 से 9, सीपीएम को 0 से 1, वीआईपी को 2 से 4 सीट मिल सकती है। इसके अलावा असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी AIMIM को 1 से 3 सीट मिल सकती है। प्रशांत किशोर की जन सुराज पहली बार चुनावी मैदान में है और उसे 2 से 5 सीटें मिल सकती है। जबकि अन्य को 7 से 10 सीटें मिल सकती है।

उल्लेखनीय है कि 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को जीत हासिल हुई थी। एनडीए गठबंधन ने 243 सदस्यीय विधानसभा में 125 सीटों पर जीत हासिल की थी, जबकि महागठबंधन ने 110 सीटों पर जीत हासिल की थी। 2020 के विधानसभा चुनाव में आरजेडी को 75 सीटों पर जीत हासिल हुई थी जबकि भाजपा को 74 सीटें मिली थी। वहीं नीतीश कुमार की जेडीयू को 43, कांग्रेस को 19 सीपीआईएमएल को 12 और असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM ने 5 सीटों पर जीत हासिल की थी।

इसप्रकार, बिहार में चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद आया पहला ओपिनियन पोल भी चौंकाने वाला है।

- कमलेश पांडेय
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

राशिफल

अश्विन माह, शुक्ल पक्ष, तृतीया

(विक्रम संवत् 2082)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। जीवन में उन वस्तुओं की उपलब्धता रहेगी जिसकी जरूरत होगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
मन चिंतित रहेगा। अज्ञात भय सताएगा। सिरदर्द, नेत्र पीड़ा स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
आय के नए सोर्स बनेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। रुका हुआ धन वापस मिलेगा। प्रेम-संतान व व्यापार बहुत अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
सरकारी तंत्र से लाभ होगा। पिता का साथ होगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। प्रेम, संतान अच्छा है।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
भाग्यवश काम बनेंगे। यात्रा का योग बनेगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम व व्यापार अच्छा है।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। वाहन धीरे चलाएं। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है। प्रेम-संतान अच्छा है।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा। गुण-ज्ञान की प्राप्ति होगी। बुजुर्गों का आशीर्वाद मिलेगा। स्वास्थ्य प्रभावित।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय। लिखने-पढ़ने के लिए अच्छा समय। प्रेम-संतान की स्थिति थोड़ा मध्यम।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी का प्रबल योग बनेगा। गृहकलह के संकेत हैं। स्वास्थ्य अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य ठीक ठाक, प्रेम-संतान की स्थिति थोड़ी मध्यम व व्यापार अच्छा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य, प्रेम व संतान सबकुछ बहुत अच्छा।

जिला जज मलखान सिंह को वकीलों ने दी विदाई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जनपद दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन गौतमबुद्धनगर के द्वारा जिला जज मलखान सिंह का भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर सभी वरिष्ठ, युवा एवं महिला अधिवक्ताओं के द्वारा उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट करते हुए उन्हें नई तैनाती के लिए शुभकामनाएं दी गई। वहीं बार एसोसिएशन की ओर से अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी ने उन्हें प्रतीक चिन्ह एवं सत्यार्थ प्रकाश व गीता भेंट करते हुए उन्हें जल्द हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति के पद को शुशोभित करने की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर बार सभागार में आयोजित हुए इस भव्य विदाई समारोह की अध्यक्षता बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद्र सिंह भाटी एडवोकेट ने की और कार्यक्रम का संचालन सचिव अजीत नागर एडवोकेट के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद भाटी ने बताया कि जिला जज मलखान सिंह का स्थानांतरण प्रदेश के सबसे बडे जनपद लखनऊ में हुआ है। जिसकी हमें अत्यंत खुशी हैं लेकिन दुख इस बात का भी है कि एक अच्छे न्यायिक अधिकारी हमारे बीच से जा रहे हैं। प्रमेंद्र भाटी ने बताया कि जिला जज को भले ही हमारे जनपद में केवल 5 माह का अल्प समय सेवाएं देने के लिए मिला है। लेकिन उन्होंने बार और बैंच के बीच सामजस्य बनाने के लिए इस अल्प समय में भी कई बडे कार्य बार के सहयोग में किए हैं।

इस अवसर पर जिला जज मलखान सिंह ने कहा कि मैं जब जिले में आया तो सबसे पहले मेरे द्वारा यहां अपने न्यायालय के इफ्रास्ट्रक्चर की फाइलों का मुआयना किया गया। जिसमें मेरे द्वारा पाया गया कि यहां के इंफ्रास्ट्रक्चर में बहुत कमियां हैं और मेरे द्वारा पहले ही दिन से गौतमबुद्धनगर न्यायालय के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए कार्य किया गया। उन्होंने बताया कि बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमेंद्र भाटी के द्वारा मुझे अधिवक्ताओं की जिन 15 समस्याओं के बारे में अवगत कराया गया था, उनमें सबसे पहले मेरे द्वारा चैंबर निर्माण के लिए जमीन ट्रांसफर की अनुमति के लिए फाइल हाईकोर्ट भेजी गई। इसी के साथ महिला अधिवक्ताओं के लिए क्रैच व बार रूम, उपभोक्ता न्यायालय के लिए गेट और नए बने पारिवारिक न्यायालय परिसर से न्यायायलय परिसर में गेट खोले जाने के प्रस्ताव के साथ साथ बहुमंजिला पार्किंग भी अनुमति के लिए भेज दिए गए हैं। जिन्हें मंजूरी भी मिल गई है और जल्द ही उन्हें अधिवक्ताओं के लिए खोल भी दिया जाएगा। वहीं जिला जज ने भी सभी का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि मैं आपके प्यार, स्नेह से इतना अभीभूत हूं कि अलविदा नहीं कहूंगा, मैं फिर मिलने के वायद के साथ प्रदेश की ही नहीं बल्की देश की शानदार बारों में से एक गौतमबुद्धनगर बार से विदा लेता हूं।

इस अवसर पर ब्रहम सिंह नागर एड, जगदीश भाटी, मुकेश कर्दम, राकेश गौतम, अजीत भाटी, रविदत्त कौशिक, उदयभान मलिक, ओमप्रकाश मधुर, जितेंद्र भाटी, महेश गुप्ता,जुल्फिकार, आदेश बंसल, नीरज ढालिया, गजेंद्र बंसल, ब्रिजेश सोलंकी, सुंदर भाटी, मांगेराम भाटी, चरण सिंह भाटी, नीरज भाटी, श्याम सिंह भाटी,विशाल नागर सुशील शर्मा निशांत शर्मा, अंकुश शर्मा, शिवा त्यागी, विशाल त्यागी, गजेंद्र चैहान, पवन भाटी, नितिन कपाशिया, सुमित नागर, सोबिन नागर, अनिल भाटी, सतीश भाटी, मोनू नागर एडआदि लोग मौजूद रहे।

यूपी के युवाओं के लिए बड़ा मौका यूएई व ओमान में रोजगार का अवसर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए विदेश में नौकरी करने तथा

अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने का सुनहरा मौका है। उत्तर प्रदेश सरकार की खास योजना के जरिए यूपी के युवा यूएई और ओमान में रोजगार कर सकते हैं।

जिला रोजगार सहायता अधिकारी मनीषा अत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार के रोजगार संगम पोर्टल (www.rojgarsangam.up.gov.in) के माध्यम से अब UAE एवं OMAN में रोजगार पाने का सुनहरा अवसर उपलब्ध हुआ है। उन्होंने बताया कि पोर्टल पर कुशल, अकुशल एवं अर्द्धकुशल अभ्यर्थियों के लिए लगभग 10,655 रिक्तियां प्राप्त हुई हैं।

इन रिक्तियों में Supervisor Ricing, Camp Boss, Mobile Pump Operator, Steel Fi&er, Construction Helper, Shuttering Carpenter, Bike Rider, एवं Electrician जैसे पद सम्मिलित हैं। अभ्यर्थियों से हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आई.टी.आई. या स्नातक योग्यता रखने वाले तथा 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

इच्छुक अभ्यर्थी रोजगार संगम पोर्टल (www.rojgarsangam.up.gov.in) पर Jobseeker के रूप में पंजीकरण कर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। अभ्यर्थियों को अपनी योग्यता के अनुसार साक्षात्कार में प्रतिभाग कर विदेश में सेवायोजन का अवसर प्राप्त होगा।

उन्होंने बताया कि पंजीकरण या आवेदन से संबंधित किसी भी समस्या के समाधान के लिए अभ्यर्थी जिला सेवायोजन कार्यालय (आर.आई. सेंटर), झुंडपुरा सेक्टर-11, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर में संपर्क कर सकते हैं।

विधायक धीरेन्द्र सिंह ने ग्राम मंडी श्यामनगर से अस्तौली फाटक मार्ग का किया शुभारंभ

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मंडी श्यामनगर से अस्तौली फाटक एवं काली मंदिर तक जाने वाले मार्ग के निर्माण कार्य का शुभारंभ आज जेवर विधायक श्री धीरेन्द्र सिंह द्वारा ग्रामवासियों के साथ किया गया। यह मार्ग वर्षों से जर्जर अवस्था में था और जलभराव की वजह से ग्रामीणों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

विधायक धीरेन्द्र सिंह के सतत प्रयासों से अब यह मार्ग ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा बनाया जाएगा। इस मार्ग के निर्माण पर लगभग 05 करोड़ 71 लाख रुपए खर्च होंगे। इस सड़क से ग्राम मंडी श्यामनगर, अस्तौली और आसपास के कई गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी, साथ ही धार्मिक स्थल काली मंदिर तक श्रद्धालुओं की यात्रा भी सरल होगी।

विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि जनता की सुविधा और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए हर स्तर पर प्रयास जारी हैं। यह मार्ग ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग थी और आज इसका शुभारंभ दर्जनों ग्रामों के लोगों को सहूलियत पहुंचाएगा। जनता की अपेक्षाएं ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी हैं। ग्रामीणों ने विधायक सिंह का आभार व्यक्त किया और कहा कि आपके निरंतर प्रयासों से जेवर विधानसभा में विकास कार्यों की रफ्तार लगातार तेज़ हुई है।

भाजपा ने शुरू किया आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी ने अल्फ़ा वन सेक्टर में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान की पत्रकार वार्ता आयोजित की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर, जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह, तथा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा उपस्थित रहे।

भाजपा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत का संदेश देश के हर कोने में गूंज रहा है। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया के शक्तिशाली देशों के साथ ग़रीब देशों को साथ लेकर चल रहा है और इसके लिए स्वदेशी उत्पादकों एवं वस्तुओं के प्रयोग को बढ़ावा देना आवश्यक है। भाजपा कार्यकर्ता इस दिशा में लोगों को जागरूक करेंगे और दीवाली व अन्य त्योहारों के अवसर पर भारत में बने सामान की खरीददारी के लिए अभियान चलाएँगे। यह अभियान अगले तीन महीनों तक व्यापक जनजागरूकता के साथ चलेगा।

दादरी विधायक तेजपाल नागर ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे गाँव-शहर-नगर में जाकर स्वदेशी वस्तुओं का प्रचार-प्रसार करें और दुकानदारों को उन्हें बेचने व ग्राहकों को उन्हें खरीदने के लिए प्रेरित करें।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि जनता के सहयोग से स्वदेशी सामान के प्रयोग के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत अभियान को आगे बढ़ाया जाएगा और इससे भारत आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर होगा। इस अवसर पर जिला महामंत्री धर्मेन्द्र कोरी, जिला उपाध्यक्ष सतेन्द्र नागर, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, वीरेन्द्र भाटी, विमल पुंडीर, गुरुदेव भाटी, ऋषभ शर्मा, राजवीर सिंह सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जीएसटी सुधारों पर आयोजित हुआ विशेष कार्यक्रम

दादरी (चेतना मंच)। केंद्र सरकार द्वारा वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में किए गए सुधारों के लाभ आम जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से दादरी में बुधवार को विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि सीए अश्वनी गोयल थे। कार्यक्रम संयोजक दादरी विधायक मास्टर तेजपाल नागर थे और कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मानसिंह गोस्वामी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य है कि जीएसटी से जुड़ी पूरी जानकारी देश के हर नागरिक तक पहुंचे, ताकि व्यापारी और आम उपभोक्ता दोनों इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने बताया कि नए सुधारों के तहत बच्चों को कर संबंधी राहत मिली है और किताबों व दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर कर कम हुआ है।

दादरी विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि जीएसटी सुधार देश की अर्थव्यवस्था को सरल और स्थिर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से अपील की कि वे इस प्रणाली का पूरा अध्ययन करें और सरकार द्वारा दी जा रही सुविधाओं का लाभ उठाएँ।

जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने बताया कि भाजपा कार्यकर्ता अब मार्किट और बाजारों में जाकर जनता को जीएसटी जागरूकता प्रदान करेंगे। सीए अश्वनी गोयल ने कहा कि जीएसटी सुधारों से मोटर वाहन, इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू सामान के दाम कम हुए हैं, जिससे आम जनता को लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर दादरी चेयरमैन गीता पंडित, जिला महामंत्री मनोज गर्ग, धर्मेन्द्र कोरी, देवा भाटी, कर्मवीर आर्य, हरेन्द्र नागर, मनोज भाटी, राजीव सिंघल, अभिषेक कौशिक, राजेश गोयल, केशव गोयल, राजेश गर्ग, मनोज गोयल, तरुण नागर, पीयूष गर्ग आदि लोग उपस्थित थे।

आनंद पैलेस होटल में आयोजित हुआ 'जीएसटी मिला उपहार'

भदोही। भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा के नेतृत्व एवं अध्यक्षता में आज आनंद पैलेस होटल, नई बाजार में जीएसटी मिला उपहार, धन्यवाद मोदी सरकार एवं आत्मनिर्भर भारत पर संगोष्ठी संपन्न हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खादी ग्राम उद्योग आयोग के सदस्य एवं जिला प्रभारी भदोही, नागेंद्र रघुवंशी रहे।

नागेंद्र रघुवंशी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार और संगठन का ऐतिहासिक निर्णय आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान भारत को सामाजिक और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की राष्ट्रीय पहल है। इसका उद्देश्य हर नागरिक को आत्मनिर्भरता के संकल्प से जोड़ना, हर घर में स्वदेशी उत्पादों की भावना को सशक्त करना और वोकल फॉर लोकल का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है।

जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने बताया कि जीएसटी सुधारों के तहत 5 प्रतिशत और 18 प्रतिशत की सरल दो-दर संरचना लागू की गई है, जबकि विलासिता और लग्जरी सामान पर 40 प्रतिशत की दर रखी गई है।

दीपक मिश्रा ने कहा कि अभियान में मोदी सरकार की उपलब्धियों और योजनाओं का प्रचार, समाज के पेशेवर एवं व्यापारिक संगठनों की भागीदारी, हर बूथ पर स्वदेशी नारों का प्रचार और प्रतिभागियों द्वारा स्वदेशी संकल्प पत्र भरवाना सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला प्रभारी नागेंद्र रघुवंशी, पूर्व विधायक रविंद्र नाथ त्रिपाठी, वरिष्ठ भाजपा नेता ओम प्रकाश पांडेय, अरविंद शुक्ला, अशोक जायसवाल, केपी दुबे, विनोद सोनकर, बृजेश गुप्ता, प्रियंका जायसवाल, मंडल अध्यक्ष राकेश गुप्ता सहित तमाम भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जेवर विधायक ने 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' संगोष्ठी में लिया भाग

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने दनकौर स्थित द्रोणाचार्य पीजी कॉलेज में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव केवल चुनावी प्रक्रिया का सरलीकरण नहीं है, बल्कि यह लोकतंत्र की स्थिरता, पारदर्शिता और सुशासन की दिशा में निर्णायक कदम है। बार-बार चुनावों से संसाधनों का व्यर्थ खर्च होता है और सरकार तथा शासन की निरंतरता प्रभावित होती है। विधायक सिंह ने आगे कहा कि हमारे संविधान और संस्कृति का मूल संदेश वसुधैव कुटुम्बक है। उन्होंने युवाओं को राष्ट्रहित के विषयों पर सोचने और सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

जेवर विधायक ने आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के लिए किया आह्वान

जेवर (चेतना मंच)। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने अल्फा-1 स्थित ग्रेटर नोएडा जर्नलिस्ट प्रेस क्लब में प्रेस वार्ता के दौरान आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान पर जोर दिया।

विधायक ने कहा कि यह अभियान केवल सरकारी पहल नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक के सहयोग से ही इसका उद्देश्य पूरा होगा। आत्मनिर्भर भारत केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि सामाजिक, शैक्षिक और तकनीकी क्षेत्रों में भी आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है। देशवासी स्थानीय उत्पादों का उपयोग बढ़ाएं, स्वरोजगार अपनाएं और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सही इस्तेमाल करें।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

आचार्य शुक्ल ने साहित्य के माध्यम से सबका मार्गदर्शन किया : दयाशंकर मिश्र

मिर्जापुर। आचार्य रामचंद्र शुक्ल स्मारक शिक्षण संस्थान के तत्वावधान में हिंदी विभूति आचार्य रामचंद्र शुक्ल की 141 वीं जयंती व महर्षि वाल्मीकि जी की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. दयाशंकर मिश्र (राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार) और विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका मिर्जापुर अध्यक्ष श्याम सुंदर केसरी मंचासीन रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ अनुज प्रताप सिंह पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर हिंदी विभाग ने की। संचालन आनंद अमित ने किया।

कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि ने आचार्य रामचंद्र शुक्ल और महर्षि वाल्मीकि की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करके किया। आचार्य शुक्ल के पौत्र राकेश चंद्र शुक्ल ने अतिथियों का अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। गाजीपुर के चर्चित साहित्यकार और प्रखर वक्ता माधव कृष्ण को आचार्य राम चंद्र शुक्ल सम्मान 2025 दिया गया। पिछले 2 वर्षों से यह सम्मान आलोचना साहित्य में विशेष योगदान के लिए चुने हुए साहित्यकार को दिया जा रहा है।

धर्म, सेवा और संस्कार एक ही धारा के तीन रूप : पंचमानंद

बृजभूषण शरण सिंह की बेटी शालिनी सिंह ने ली स्वामी पंचमानंद महाराज से आशीर्वाद

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर 82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट 12 के सेंटर पार्क में चल रही श्रीराम कथा में एक विशेष अवसर देखने को मिला, जब गोंडा से सांसद और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता बृजभूषण शरण सिंह की पुत्री शालिनी सिंह कथा स्थल पर पहुंचीं। उन्होंने कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद महाराज से आशीर्वाद लिया। उनके साथ समाजसेविका गरिमा त्रिपाठी और इंद्राणी मुखर्जी भी उपस्थित रहीं। कथा स्थल पर उनके आगमन से भक्तों में विशेष उत्साह का माहौल देखने को मिला।

स्वामी पंचमानंद महाराज ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा कि धर्म, सेवा और संस्कार एक ही धारा के तीन रूप हैं और जो इन्हें जीवन में अपनाता है, वही सच्चे अर्थों में सफल होता है।

कथा के दौरान उन्होंने गरिमा त्रिपाठी और इंद्राणी मुखर्जी के साथ भजन-कीर्तन में भाग लिया। गरिमा त्रिपाठी, जो सामाजिक और सांस्कृतिक मंचों से जुड़ी हैं, ने कथा की व्यवस्था और श्रद्धालुओं के स्वागत में सक्रिय भूमिका निभाई। इंद्राणी मुखर्जी ने भी स्वामी पंचमानंद महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया और भक्तों के साथ धर्म की महिमा पर अपने विचार साझा किए।

कु0 मायावती राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बादलपुर गौतमबुद्ध नगर (उ0 प्र0)
Km. Mayawati Government Girls P.G. College, Badalpur-Gautam Buddha Nagar (U.P.)
College recognized under section 2 (1) & 12 (b) of UGC
नैक मूल्यांकित 'B++'2.91-IInd Cycle
पत्रांक:1019/रा0म0 बा0/अनुरक्षण/2025-26 दिनांक 08-10-2025
अल्प कालीन निविदा
महाविद्यालय में वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुदान संख्या-73 के मानक मद 29 अनुरक्षण हेतु अनुदान धनराशि रू0 5,00,000-00 (पाँच लाख रूपये मात्र) के अनुरक्षण कार्य हेतु आपूर्ति कर्ताओं/फर्मों से सीलबन्द निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में महाविद्यालय के कार्यालय से प्रात: 10.00 बजे से अपराहन 04.00 बजे तक रू0 300/- नकद जमा कर निविदा तिथि से दिनांक 27-10-2025 प्रात: 11.00 बजे तक प्राप्त किये जा सकते हैं। सीलबन्द निविदाएँ दिनांक 27-10-2025 तक अपराह्न 02.00 बजे तक कार्यालय में जमा की जा सकती है जो कि दिनांक 27-10-2025 अपराहन 04.00 बजे समिति के समक्ष खोली जायेगी। निविदा की शर्तें एवं सामान के क्रय के सम्बन्धित विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय से प्राप्त की सकती है। किसी भी निविदा को स्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार प्राचार्य के पास सुरिक्षत रहेगा।
नोट- यह पूर्णता सरकारी संस्था है।
भवदीया
प्रो0 अनीता रानी राठौर (प्राचार्य)
कु0 मायावती राजकीय महिला पी0जी0 कालेज, बादलपुर (गौतमबुद्धनगर)

रिटेलर व होलसेलर के लिए संजीवनी बूटी है जीएसटी की घटी दरें : विकास जैन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-62 नोएडा के एवियर कॉलेज में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित 'जीएसटी घटी व्यापार बढ़ा' उत्सव में राज्यसभा संसद दिनेश शर्मा सांसद गौतमबुद्धनगर महेश शर्मा जिलाध्यक्ष महेश चौहान की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष व भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ जिला संयोजक विकास जैन ने जीएसटी घटाए जाने पर अपने उद्बोधन में कहा कि परंपरागत बाजार को गुलजार करने के लिए इससे बड़ा कोई फैसला नहीं हो सकता था।

जीएसटी कम होने से देश में महंगाई दर के साथ-साथ विकसित देश की ओर अग्रसर होने का एक बहुत बड़ा अवसर प्राप्त होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अथक प्रयासों से रिटेलर और होलसेलर को एक संजीवनी बूटी के रूप में सरकार द्वारा जीएसटी कम कर सौगात दी गई है। देश की अर्थव्यवस्था को नई रफ्तार देने के लिए जीएसटी का काम करना बहुत ही जरूरी था। सूक्ष्म मध्यम लघु उद्योग अब भारत में नए सिरे से अपना व्यापार कर पाएंगे। जीएसटी कम होने से स्वदेशी अभियान को तेजी मिलेगी। सीमेंट के रेट कम होने से इंस्टा स्ट्रक्चर मजबूत होगा। जहां महंगाई ज्यादा होने से मध्यम वर्ग के परिवार चार पहिया गाड़ी लेने की सोच भी नहीं सकते थे अब वह परिवार भी गाड़ियां ले पाएंगे।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल प्रदेश मंत्री मनीष शर्मा उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शक्ति सिंह व अन्य सैकड़ों व्यापार मंडल के सदस्य सम्मिलित हुए।

एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा संगठन के पदाधिकारी ने दादरी तहसील अध्यक्ष राजकुमार रूपवास के नेतृत्व में एक ज्ञापन दादरी एसडीएम अनुज नेहरा को सौंपा।

राजकुमार रूपबास तहसील अध्यक्ष दादरी ने कहा कि दादरी तहसील के अंतर्गत आने वाले गांव जिन गांव की धान की फसल वर्षा के कारण बर्बाद हुई है उन गांव के किसानों की फसल का सर्वे करा कर उनको उचित से उचित मुआवजा दिया जाए क्योंकि किस देश का अन्नदाता है। सरकार को सोचना चाहिए उसके फसल की कीमत का मुआवजा दिया जाए ताकि जो नुकसान हुआ है वर्षा के करण उसकी किसान को भरपाई हो सके जिसमें दादरी एसडीएम अनुज नेहरा मैडम का कहना है कि जल्द ही किसने की फसल की धान का जो नुकसान हुआ है सर्वे करा कर समस्या का निस्तारण कराया जाएगा ज्ञापन देने के दौरान मनोज भाटी पाली एनसीआर सचिव अमित मुखिया एडवोकेट राव योगेश भाटी एडवोकेट सचिन भाटी,राजकुमार रूपबास राहुल कोरी आदि मौजूद थे।

ग्राम रौनीजा में किसानों का धरना 71वें दिन भी जारी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्राम रौनीजा में किसानों का आंदोलन आज 71वें दिन में प्रवेश कर गया, लेकिन अब तक यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण की ओर से कोई ठोस पहल या आश्वासन नहीं दिया गया है। किसानों में इस बेरुखी को लेकर जबरदस्त रोष व्याप्त है। आंदोलन की अध्यक्षता विजयपाल प्रधान ने की, जबकि नेतृत्व भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मास्टर श्यौराज सिंह ने किया।

धरने के मंच से वक्ताओं ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह आंदोलन किसानों की आवाज़ और अस्तित्व की लड़ाई बन गया है। यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण की नीतियों और निष्क्रियता के कारण हजारों किसान आज भी अपने अधिकारों और मुआवजे के लिए भटक रहे हैं।

किसानों ने बताया कि 71 दिन बीत जाने के बाद भी उनकी प्रमुख मांगों पर कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। न तो किसानों की घरोणी बनाई जा रही है, न ही जेबीएम यूनिवर्सिटी द्वारा किए जा रहे अवैध जल दोहन पर कोई कार्रवाई की गई है। साथ ही, यमुना एक्सप्रेस-वे क्षेत्र के आवासीय प्लॉटों और आबादी निस्तारण के लिए भी अब तक कोई ठोस नीति नहीं बनाई गई है।

धरने में शामिल किसानों ने कहा कि प्राधिकरण और शासन की इस उपेक्षा और मौन रवैये से ग्रामीणों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। धरने पर बैठे किसानों का कहना था कि जब तक उनकी सभी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक यह आंदोलन अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा।

धरने के दौरान वक्ताओं ने कहा कि प्रशासन अगर समय रहते किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं करता, तो आने वाले दिनों में आंदोलन और भी तेज़ और व्यापक किया जाएगा। किसानों ने चेतावनी दी कि वे किसी भी कीमत पर पीछे नहीं हटेंगे, चाहे आंदोलन को सौ दिन से भी अधिक क्यों न हो जाए।

धरना स्थल पर रोजाना की तरह भजन, गीत, और भाषणों के माध्यम से किसानों ने एकता का परिचय दिया। युवा किसान भी बड़ी संख्या में आंदोलन में जुड़ रहे हैं, जिससे माहौल में जोश और उत्साह देखा जा रहा है। महिलाओं ने भी सक्रिय भागीदारी निभाते हुए धरने को मजबूत करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर मास्टर श्यौराज सिंह, महेंद्र रावत, विजयपाल प्रधान, इन्द्रपाल सिंह, रौदाश सिंह, गज़ब सिंह, ओमपाल सिंह, हरिओम सिंह, कुमारपाल, रंन्नू, पिंन्नू, शीले सिंह, अनिल भाटी, सुनील भाटी, राहुल, रोविन समेत बड़ी संख्या में यूनियन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने एक स्वर में संकल्प लिया कि जब तक किसान हितों की रक्षा नहीं होती, तब तक भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) का यह धरना किसी भी सूरत में समाप्त नहीं होगा।

हैबतपुर में अवैध निर्माण का जिम्मेदार कौन

वरिष्ठ प्रबंधक नहीं उठाते फोन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। हैबतपुर गांव में अवैध निर्माण का आखिर जिम्मेदार कौन है? हैबतपुर गांव में कल ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बुलडोजर चला कर कई अवैध मकानों को ध्वस्त किया। उसके पहले भी कई बार वहां अवैध निर्माण पर बुलडोजर चल चुका है। लेकिन यह बात समझ में नहीं आ रही है कि आखिरकार अवैध निर्माण होता कैसे है। प्राधिकरण के अधिकारियों को इसकी खबर क्यों नहीं लगती। और सर्कल वन में पड़ने वाले अनेक गांव में अवैध निर्माण हो रहा है, लेकिन ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण अधिकारी सोते रहते हैं। अधिकारियों की मिलीभगत एवं स्थानीय पुलिस की सहभागिता से हैबतपुर गांव में अवैध निर्माण का सिलसिला रूक नहीं रहा है।

वहीं जब अवैध निर्माण को लेकर जब सर्किल-1 के वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर से बात करने का प्रयास किया गया तो वह उपलब्ध नहीं हो सके। लोगों का आरोप है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों एवं सुपरवाइजर की मिलीभगत से अवैध निर्माण का खेल जारी है। लोगों का यह भी कहना है कि प्राधिकरण दिखावे के नाम पर बुलडोजर लेकर पहुंचते हैं और फोटो खिंचवाकर वहां से आ जाते हैं।

प्राधिकरण अधिकारियों एवं कर्मचारियों को एक मोटी रकम सुविधा शुल्क के नाम पर दी जाती है। एक तरफ उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अवैध निर्माणों को रोकने के आदेश देते हैं, लेकिन प्राधिकरण के अधिकारियों पर उनका कोई असर दिखाई नहीं पड़ रहा है।

नौकरानी पर चोरी का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-15ए में रहने वाले एक व्यवसाई ने अपनी घरेलू नौकरानी पर चोरी करने का आरोप लगाया है। व्यवसाई का आरोप है कि पूर्व में भी उनके घर से कैश व सोने की चेन गायब हो चुकी है।

सेक्टर-15ए में रहने वाले अश्वनी नवीन ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनके यहां हरदोई की रहने वाली अंजली खाना बनाने का काम करती है। उन्होंने अंजलि को घर से पैसे चुराते रंगे हाथों पकड़ लिया लेकिन वह चोरी करने से मुकर गई। अश्विनी नवीन ने पुलिस को बताया कि इससे पहले भी उनके घर से सोने की चेन और 38 हजार रुपए चोरी हुई है। उन्होंने अंजलि पर शक जताते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। इस मामले में उन्होंने पुलिस को सीसीटीवी कैमरे की कुछ फुटेज भी सौंपी है। थाना प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

पृष्ठ एक के शेष....

भंगेल एलीवेटिड व...

का निर्माण शुरू हुआ था। प्राधिकरण यह पार्क करीब 18.27 एकड़ में बना रहा है। पार्क के अंदर कबाड़ से बने डायनाशोर, गैंडा, मगरमच्छ, अजगर, बंदर की आकृतियां लगाई गई हैं। इसके साथ ही छोटी आकृतियों में सुंदर-सुंदर चिड़ियां भी कबाड़ से बनी हुई होंगी। पार्क में आने वाले लोग जंगल में सैर का लुत्फ भी उठा सकेंगे।

पार्क के तीन जोन में बांटा गया है। पहला जोन-ए 4.05 एकड़ का है। इसमें पार्किंग, एंपीथियेटर (1000 लोगों की क्षमता का), फूड कोर्ट और ऐग्जीबिशन एरिया है। यहां 8 बसों और 76 कारों की पार्किंग होगी। जोन-बी 8.77 एकड़ का बनाया जा रहा है। इसमें ट्रोपिकल रेन फारेस्ट , ग्रास लैंड , वेट लैंड को बनाया जा रहा है। तीसरा जोन-सी 5.45 एकड़ का है। इसमें आईस लैंड ओशियन, ट्रेमप्रेट फारेस्ट और पोलर रीजन होगा।

जबरन 5 करोड़ के चेक...

साइन किए गए चेक कंपनी खाते के लिए थे इसलिए उसकी पत्नी के बिजनेस पार्टनर के हस्ताक्षर के बाद ही वह कैश हो सकते थे इसके बाद आरोपियों ने उसके भाई को धमकी देकर कहा कि अगर बिजनेस पार्टनर के साइन नहीं कराए गए तो वह उसके भाई को जान से मार देंगे। इसके बाद आरोपियों ने उसके भाई के मोबाइल से ताज स्टूडियो सेंट्रल टावर नॉर्थ थाई में एक कमरा बुक कराया और रात भर उसे कमरे में बंद रखा अगले दिन बिजनेस पार्टनर उक्त स्थान पर पहुंची जहां पर आरोपियों ने उससे चेक पर साइन करा लिए। इसके बाद आरोपियों ने इस बारे में किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देकर उसे छोड़ दिया। उसने इसकी सूचना थाना फेस-3 पुलिस को दी लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। न्यायालय ने सुनवाई के बाद थाना फेस-3 पुलिस को प्रवीण प्रधान आकाश शर्मा व उनके अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह मामला पैसों के लेनदेन के विवाद से जुड़ा हुआ है।

लाखों की नकदी...

का ताला टूटा हुआ था। घर के भीतर जाने पर सारा सामान अस्त-व्यस्त मिला। सौरभ कुमार के मुताबिक चोर घर की अलमारी का ताला तोड़कर उसमें रखे दो लाख रुपए नगद, सोने का मंगलसूत्र, कानों के झुमके, एलइडी टीवी, गैस सिलेंडर व अन्य सामान को चोरी कर ले गए थे। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और चोरों की पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

450 परिवारों को...

पास लंबित हैं, उन्हें कंडीशनल अधिभोग प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे। अदालत ने स्पष्ट किया कि ये प्रमाणपत्र चल रही विशेष अनुमति याचिकाओं और भविष्य के किसी भी न्यायिक आदेश के अधीन होंगे। साथ ही, डेवलपर को स्पोर्ट्स सिटी के तहत वादा की गई सभी खेल और मनोरंजन सुविधाएं पूरी करनी होंगी, और यह सुनिश्चित करना होगा कि सभी निर्माण कार्य नोएडा के भवन उपनियमों के अनुरूप हों।

मुठभेड़ में एक लाख...

एसएसपी अनुराग आर्य ने इस खूंखार अपराधी पर कड़ी नजर रखी हुई थी। हाल ही में जब इस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित हुआ, तभी एसएसपी ने तय कर लिया कि अब इसका सफर खत्म होगा।

आज तड़के पुलिस को एक सटीक खुफिया सूचना मिली 'सोल्जर' बिलवा पुल के पास किसी वारदात की फिराक में है। सूचना मिलते ही एसएसपी अनुराग आर्य ने तीन थानों की पुलिस और एसओजी टीम को एकजुट किया। किसी भी अनहोनी से बचने के लिए ऑपरेशन की कमान खुद एसएसपी ने कंट्रोल रूम से संभाली और हर मूवमेंट पर बारीकी से नजर रखी।कुछ ही देर में पुलिस ने इलाके की घेराबंदी की। तभी अंधेरे में गोलीबारी शुरू हो गई बदमाश ने फायरिंग करते हुए भागने की कोशिश की। जवाब में पुलिस ने काउंटर फायर किया। कुछ ही मिनटों में गोलियों की आवाज़ थम गई और कुख्यात सोल्जर जमीन पर पड़ा था कानून ने अपराध पर जीत दर्ज कर ली। मुठभेड़ के दौरान एसओजी के हेड कॉन्स्टेबल राहुल सिंह बहादुरी से आमने-सामने फायरिंग में घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। एसएसपी अनुराग आर्य ने उनके साहस की सराहना करते हुए कहा कि यह पुलिस का असली चेहरा है जनता की सुरक्षा के लिए हम हर जोखिम उठाने को तैयार हैं।

एक अन्य बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला, जिसकी तलाश में कांबिंग ऑपरेशन चलाया जा रहा है। पुलिस ने मौके से 32 बोर की पिस्टल, दो मैगजीन, 17 जिंदा कारतूस, 28 हजार रुपये नकद, एक मोबाइल फोन और बिना नंबर की बाइक बरामद की। जांच में यह भी सामने आया कि सोल्जर अपराध करने के बाद गिरगिट की तरह नाम और ठिकाने बदल लेता था। वह इफ्तेखार, धूम, सोल्जर, शाकिर जैसे कई नामों से जाना जाता था। उसका स्थायी पता कासगंज, जबकि अस्थायी ठिकाना गाजियाबाद बताया गया है।

'नशा माफियाओं के ...

और सोशल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यापक रूप से प्रचारित किया जाए ताकि समाज में जागरूकता बढ़े और लोग सतर्क रहें।

जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार ने बैठक में बताया कि शासन के निर्देशों के अनुसार 10 अक्टूबर से 25 अक्टूबर 2025 तक विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जाएगा, जिसमें अवैध शराब के निर्माण, बिक्री, तस्करी और परिवहन पर अंकुश लगाया जाएगा। इसके लिए उप जिलाधिकारी और आबकारी निरीक्षकों की संयुक्त टीमें गठित की गई हैं, जो विभिन्न थाना क्षेत्रों में कार्रवाई करेंगी।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त माफियाओं और तस्करों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। सीमावर्ती क्षेत्रों, राष्ट्रीय एवं राज्य मार्गों, ढाबों, पुराने कारखानों, बंद फैक्ट्रियों, आरओ प्लांट, नदी तटों और संदिग्ध अड्डों पर औचक छापेमारी की जाए। दुकानों के बारकोड और क्यूआर कोड की जांच, ओवररेट बिक्री की रोकथाम के लिए रैंडम टेस्ट परचेज, सीसीटीवी कैमरों की सतत निगरानी तथा संदिग्ध दुकानों से नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच जैसी कार्यवाही की जाए।

जिलाधिकारी ने कहा कि अवैध शराब के सेवन से होने वाले घातक प्रभावों, विशेषकर मिथाइल अल्कोहल के कारण अंधापन और मृत्यु के जोखिम के बारे में पोस्टर, हैंडबिल, समाचार पत्र और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। आमजन को अवैध शराब की सूचना गोपनीय रूप से देने के लिए टोल फ्री नंबर 14405 और व्हाट्सएप नंबर 9454466019 का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि अवैध शराब और नशा मुक्ति दोनों ही प्रशासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में हैं। इसलिए सभी विभाग मिलकर, समन्वित और योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें, ताकि जनपद को नार्कोटिक्स एवं अवैध अल्कोहल फ्री जिला बनाया जा सके।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी सतीश कुमार, जिला तंबाकू नियंत्रण अधिकारी श्वेता खुराना, पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

विभिन्न स्थानों से...

गांव की तरफ से बाइक पर आ रहे एक युवक को रुकने का इशारा किया गया। पुलिस को देखकर युवक ने भगाने का प्रयास किया लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया। तलाशी में इसके पास से तमंचा, कारतूस बरामद हुआ। पूछताछ में पकड़े गए बदमाश ने अपना नाम इरफान पुत्र अब्दुल रहमान निवासी बिहार मदरसा के पास रशीद गेट थाना लोनी गाजियाबाद बताया। इरफान पुलिस टीम को बाइक का कागजात नहीं दिखा पाया जिस कारण उसे भी एमबी एक्ट में सीज कर दिया गया। दोनों बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है।

सालों से प्रेग्नेंसी की कोशिश...हर बार फेल

जांच हुई तो पति में निकली1 बड़ी कमी, सच्चाई जान मर्द ने मानने से किया इनकार

आमतौर पर जब कोई कपल प्रेग्नेंसी के लिए प्रयास करता है और सफलता नहीं मिलती, तो लोग सबसे पहले महिला को ही जिम्मेदार मान लेते हैं। लेकिन हर बार ऐसा होना जरूरी नहीं है। कई मामलों में सालों तक बच्चे के लिए कोशिश करने वाले कपल की परेशानी पुरुष की किसी कमी की वजह से भी हो सकती है। हाल ही में ऐसा ही एक मामला सामने आया। यहां, एक कपल सालों से कंसीव करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन बार-बार नाकामी मिल रही थी,

जब उन्होंने जांच करवाई, तो पता चला कि प्रेग्नेंट न हो पाने की वजह महिला नहीं, बल्कि पुरुष की 1 समस्या थी। यह जानकर पति हैरान रह गया और बोला, 'यह कैसे संभव है?'इस पूरे मामले को फर्टिलिटी एक्सपर्ट डॉक्टर महिमा ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर शेयर किया। उन्होंने क्या कहा और पुरुष में क्या कमी हैं, चलिए विस्तार से जानते हैं।

दो सालों से कंसीव करने की कोशिश कर रहा था कपल

इंस्टाग्राम पर जारी वीडियो में गायनेकोलॉजिस्ट डॉक्टर महिमा बताती हैं कि हाल ही में उनके पास 26 साल का कपल आया था, जो पिछले दो सालों से प्रेग्नेंसी के लिए कोशिश कर रहा था। लेकिन सफलता नहीं मिल रही थी।

रिश्तेदारों ने बोला करो पूजा-पाठ

डॉक्टर बताती हैं कि कपल को रिश्तेदारों और दोस्तों ने कहा था कि पूजा-पाठ करें, शायद भगवान मदद करें। वहीं, उनके पेरेंट्स ने कहा, 'अभी आप लोग युवा हैं, इसलिए डॉक्टर के पास जाने से पहले थोड़ा समय और कोशिश करें।' लेकिन कपल यह जानना चाहता था कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है, इसलिए वे हमारे पास आए।

महिला की रिपोर्ट थी नॉर्मल

डॉक्टर कहती हैं कि सब कुछ ठीक था। महिला का पीरियड साइकल नियमित था, अल्ट्रासाउंड नॉर्मल था, लाइफस्टाइल भी सही था और ओवुलेशन साइकल भी ठीक था। शादीशुदा जिंदगी में भी कोई समस्या नहीं थी। फिर भी, कपल कंसीव नहीं कर पा रहा था।

टेस्ट में निकली पति में 1 बड़ी कमी

एक्सपर्ट बताती हैं कि हमने पूरी हिस्ट्री लेने के बाद कुछ जरूरी टेस्ट करवाए, तो समस्या महिला में नहीं, बल्कि पुरुष में थी। दरअसल,पति के स्पर्म की मोटिलिटी कम थी। जब मैंने उन्हें रिपोर्ट बताई, तो पति हैरान रह गए और बोले 'मेरे स्पर्म की संख्या तो सही है, तो फिर समस्या कहां है?'

स्पर्म की संख्या ही नहीं होता सबकुछ

स्त्री रोग विशेषज्ञ अंत में कहती हैं, हमने पति को समझाया कि स्पर्म की संख्या ही सब कुछ नहीं होती। उनकी मोटिलिटी भी अच्छी होनी चाहिए। क्योंकि अगर मोटिलिटी ठीक नहीं होगी, तो स्पर्म के लिए अंडे तक पहुंच पाना मुश्किल हो जाता है। इसीलिए प्रेग्नेंसी में दिक्कतें आती हैं।

लिवर में सड़न-आंखों में पीलिया, घातक जहर है बिलीरुबिन

आप जो भी कुछ खाते-पीते हैं या सांस लेते हैं, उससे बहुत सारे विषाक्त पदार्थ आपके शरीर में जाते हैं और कुछ शरीर भी बनाता है। वैसे तो शरीर इन जहरीले पदार्थों कि सफाई करता रहता है लेकिन कुछ आंतरिक हिस्सों में जमा होते रहते हैं और जब इनका लेवल बढ़ जाता है, तो शरीर में गड़बड़ी शुरू हो जाती है। बिलीरुबिन (Bilirubin) शरीर में बनने वाला पीले रंग का एक ऐसा ही जहरीला पदार्थ है।

आपको बता दें कि शुगर, यूरिक एसिड, अमोनिया, सल्फर और कोलेस्ट्रॉल की तरह बिलीरुबिन भी शरीर के लिए खतरनाक होता है। यह तब बनता है जब शरीर में पुराने या खराब हो चुके लाल रक्त कोशिकाएं टूटती हैं। इन कोशिकाओं में मौजूद 'हीम' नामक तत्व, जो हीमोग्लोबिन का हिस्सा होता है, टूटकर बिलीरुबिन में बदल जाता है।

बिलीरुबिन खून के जरिए लिवर तक जाता है और वहां प्रोसेस होकर पित्त के साथ मिल जाता है। फिर यह पाचन तंत्र के जरिए मल और मूत्र के जरिए शरीर से बाहर निकल जाता है। लेकिन जब यह निकल नहीं पाता और इसकी मात्रा बढ़ जाती है यह लिवर या खून से जुड़ी बीमारियों को जन्म दे सकता है जैसे पीलिया या लिवर की खराबी।

बिलीरुबिन के प्रकार

बिलीरुबिन दो तरह का होता है- अनकंजुगेटेड और कंजुगेटेड। अनकंजुगेटेड बिलीरुबिन वह होता है जिसे लिवर ने अभी प्रोसेस नहीं किया होता। यह पानी में नहीं घुलता और खून में एल्ब्यूमिन नामक प्रोटीन के साथ जुड़कर घूमता है। अगर लाल रक्त कोशिकाएं ज़्यादा टूटती हैं या लिवर ठीक से काम नहीं करता, तो इसकी मात्रा बढ़ जाती है।

कंजुगेटेड बिलीरुबिन वह होता है जिसे लिवर प्रोसेस कर देता है। यह पानी में घुलने योग्य बन जाता है और पित्त के जरिए शरीर से बाहर निकलता है। अगर डायरेक्ट बिलीरुबिन बढ़ जाए, तो यह लिवर या पित्त नलियों में समस्या का संकेत हो सकता है।

शरीर में बिलीरुबिन का लेवल कितना होना चाहिए

एक स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में बिलीरुबिन की मात्रा सीमित होती है। कुल बिलीरुबिन 0.3 से 1.2 mg/dL, डायरेक्ट बिलीरुबिन 0.0 से 0.3 mg/dL, और इंडायरेक्ट बिलीरुबिन 0.2 से 0.9 mg/dL तक होता है। अगर यह स्तर इससे ज़्यादा बढ़ जाए, तो इसका मतलब है कि लीवर सही से काम नहीं कर रहा या लाल रक्त कोशिकाएं ज्यादा टूट रही हैं। ऐसे में पीलिया जैसी समस्या हो सकती है, जिसमें त्वचा और आंखें पीली पड़ जाती हैं।

बिलीरुबिन बढ़ने के कारण

शरीर में बिलीरुबिन बढ़ने के कई कारण हो सकते हैं। सबसे आम कारण हेपेटाइटिस, सिरोसिस, फैटी लिवर जैसी बीमारियां हैं। इसके अलावा पित्त नली में रुकावट जैसे गॉलस्टोन या ट्यूमर भी बिलीरुबिन बढ़ा देती है। कुछ लोगों में आरबीसी अधिक टूटने से भी बिलीरुबिन बढ़ जाता है, जो एनीमिया या संक्रमण के कारण हो सकता है। नवजात शिशुओं में भी यह अस्थायी रूप से बढ़ जाता है क्योंकि उनका लिवर पूरी तरह विकसित नहीं होता। कुछ दवाएं जैसे एंटीबायोटिक, पेनकिलर या स्टेरॉयड भी बिलीरुबिन का लेवल बढ़ा सकती हैं।

बिलीरुबिन बढ़ने के लक्षण

जब शरीर में बिलीरुबिन अधिक बढ़ जाता है, तो इसका पहला संकेत पीलिया है। इसमें त्वचा और आंखों का रंग पीला हो जाता है। इसके अलावा पेशाब का रंग गहरा पीला या भूरा दिख सकता है और मल का रंग फीका या मिट्टी जैसा हो जाता है। मरीज को थकान, कमजोरी, भूख कम लगना, मिचली या उल्टी जैसे लक्षण महसूस हो सकते हैं।

बिलीरुबिन बढ़ने के नुकसान

अगर बिलीरुबिन का लेवल लंबे समय तक बढ़ा रहे और इसका इलाज न हो, तो यह शरीर के लिए गंभीर हो सकता है। इससे लिवर को नुकसान या फेल होने का खतरा रहता है और पित्त की पथरी भी बन सकती है। नवजात बच्चों में बहुत बढ़ा बिलीरुबिन कर्निकटेरस जैसी कंडीशन पैदा कर सकता है, जिससे दिमाग को स्थायी नुकसान हो सकता है। लंबे समय तक इसका लेवल बढ़ा रहने से थकान, खुजली, पाचन की समस्या और नींद में मुश्किलें भी पैदा करता है।

बिलीरुबिन कम करने के तरीके

अगर बिलीरुबिन थोड़ा बढ़ा हुआ है और गंभीर लिवर बीमारी

नहीं है, तो इसे प्राकृतिक तरीकों से कम किया जा सकता है। इसके लिए पानी खूब पिएं, दिन में 8–10 गिलास, ताकि शरीर से विषैले तत्व बाहर निकलें और पित्त का प्रवाह सही रहे। लिवर-फ्रेंडली भोजन लें, जैसे पालक, मेथी, केल, चुकंदर और गाजर का रस, नींबू पानी, लहसुन, हल्दी, सेब, पपीता, तरबूज और थोड़ा जैतून तेल। शराब, तला-भुना और प्रोसेस्ड भोजन से बचें और नमक व चीनी कम करें। आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जैसे भूमि आमला, कालमेघ, कुटकी और त्रिफला लिवर को मजबूत करती हैं, लेकिन इन्हें लेने से पहले डॉक्टर से सलाह लें। इसके अलावा, वजन कंट्रोल रखें, तनाव कम करें और पर्याप्त नींद लें, ताकि लिवर सही से काम कर सके।

पेट-जांघ-कूल्हे, हर थुलथुले हिस्से से पिघलेगी चर्बी

चर्बी शरीर के किसी भी हिस्से में जम सकती है, लेकिन सबसे ज्यादा पेट, जांघ और कूल्हे पर इकट्ठा होती है। इसकी वजह से शरीर ना केवल थुलथुला नजर आता है, बल्कि आकर्षण भी खो देता है। कुछ लोग वजन घटाने की कोशिश भी करते हैं तो सफलता नहीं प्राप्त कर पाते।

'वेट लॉस के लिए क्या करना है' से ज्यादा यह जानना जरूरी है कि आपको क्या नहीं करना है। अधिकतर लोगों को पता होगा कि देर से नहीं खाना चाहिए। इससे वजन बढ़ता है, लेकिन फिर भी जानते हुए ये गलती करते रहते हैं। वैज्ञानिकों ने अब डिनर का बिल्कुल सही टाइम बताया है, जिसे फॉलो करके आप अपनी गलती सुधार सकते हैं।

वैज्ञानिकों का यह उपाय आपके पेट, जांघ, कूल्हे, चेहरे, हाथ, पूरे शरीर से फैट लॉस कर सकता है। यह टिप आपके ब्लड शुगर और डायजेशन को सुधारेगी और अच्छी गहरी नींद पाने में मदद करेगी। आइए वजन घटाने के कारगर तरीके के बारे में जानते हैं।

जल्दी डिनर करने का फायदा

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट कहती है कि जल्दी डिनर करने से वजन कम करने में मदद मिलती है। स्टडीज का हवाला देते हुए रिपोर्ट में शाम को 5:30 से 7:00 के बीज रात का खाना अच्छा बताया गया है। एक स्टडी के

हवाले से बताया कि जो लोग शाम को 5 बजे के आसपास डिनर कर लेते हैं, वो रात में 9-10 बजे के आसपास खाने वालों से ज्यादा कैलोरी बर्न करते हैं।

सोने और खाने के बीच फासला

इसके अलावा आपको एक बात का और ध्यान रखना चाहिए कि रात के खाने और सोने के बीच कम से कम 2 घंटे का फर्क होना चाहिए। इसकी वजह से गट खाने को अच्छी तरह पचा लेता है और एसिड रिप्लक्स नहीं होता। अच्छी नींद आती है और गट को आराम भी मिलता है।

सर्कार्डियन रिदम का रखें ध्यान

बॉडी की अपनी एक सर्कार्डियन रिदम होती है। इसके मुताबिक काम करने पर हॉर्मोन रिलीज, डायजेशन, एनर्जी, कैलोरी बर्निंग सही होती है। वैज्ञानिक बताते हैं कि जो लोग दिन के उजाले में ज्यादा और रात के अंधेरे में कम खाते हैं, वो ज्यादा फिट रहते हैं।

फैट बर्निंग के लिए मिलता है वक्त

जब आप जल्दी खा लेते हैं और अगले दिन सुबह तक कुछ नहीं खाते तो इससे शरीर को चर्बी जलाने का वक्त मिल जाता है। क्योंकि वो आपके चलने-फिरने, नींद और बाकी कामों के लिए पहले से मौजूद फैट का इस्तेमाल करता है। कम से कम रात और सुबह के खाने में 8 से 12 घंटे का वक्त होना चाहिए।

वेट लॉस के लिए क्या खाएं?

रात का खाना हल्का मगर प्रोटीन रिच होना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार डिनर में ग्रिल्ड चिकन, फैटी फिश, टोफू, दालें, फलियां खा सकते हैं। यह पेट को देर तक भरते हैं और भूख शांत रखते हैं। हरी सब्जियां खाना ना भूलें। कंट्रोल तरीके से साबुत अनाज और हेल्दी फैट लें। इसके लिए ब्राउन राइस, क्विनोआ, ओट्स, व्होल व्हीट, ऑलिव ऑयल, नट्स, एवोकाडो का सेवन कर सकते हैं।

इन चीजों से रहें दूर

फ्राइड फूड, जंक फूड, प्रोसेस्ड मीट, क्रीम, मीठा

स्मार्टफोन भीगने पर तुरंत उठाएं ये कदम

अगर आपका स्मार्टफोन बारिश में भीग जाए, तो सबसे पहले आपको इसे स्विच ऑफ करना चाहिए। स्मार्टफोन को बंद करने से अंदर के इलेक्ट्रॉनिक सर्किट्स को और अधिक नुकसान होने से रोका जा सकता है। इसके बाद, अपने फोन को किसी सूखे और नर्म कपड़े से धीरे-धीरे पोंछें। इस दौरान, सावधानी बरतें कि कोई भी नमी फोन के भीतर न जाए।

इसके बाद, सिम कार्ड और मेमोरी कार्ड को तुरंत निकालें। ये कार्ड्स छोटे होते हैं और आसानी से नुकसान हो सकते हैं, इसलिए इन्हें निकालकर सूखा रखना महत्वपूर्ण है। याद रखें, फोन को हिलाने या उसमें फूंक मारने से बचें। ऐसा करने से पानी और अधिक अंदर तक जा सकता है, जिससे फोन का नुकसान बढ़ सकता है।

इसके अतिरिक्त, स्मार्टफोन को धूप में या हीटर के पास रखने से बचें, क्योंकि अत्यधिक गर्मी से फोन के अंदरूनी हिस्से खराब हो सकते हैं। इसके बजाय, फोन को किसी सूखी जगह पर रखें और उसे पूरी तरह से सूखने दें। अगर आपके पास सिलिका जेल पैकेट्स हैं, तो आप उन्हें फोन के साथ एक एयरटाइट बैग में रख सकते हैं। सिलिका जेल नमी को अवशोषित करने में मदद करता है और फोन को जल्दी सूखने में सहायक हो सकता है।

फोन को सुखाने के प्रभावी तरीके

अगर आपका स्मार्टफोन बारिश में भीग जाए, तो सबसे पहले उसे बंद कर दें और जितना जल्दी हो सके सुखाने के प्रयास करें। स्मार्टफोन को सुखाने के लिए कुछ प्रभावी और सुरक्षित तरीके निम्नलिखित हैं:

सिलिका जैल पैक्स का उपयोग: सिलिका जैल पैक्स नमी को सोखने में अत्यधिक प्रभावी होते हैं। आपको अपने स्मार्टफोन को एक एयरटाइट बैग में सिलिका जैल पैक्स के साथ रखना चाहिए। यह स्मार्टफोन की नमी को तेजी से सोखने में मदद करेगा और फोन के अंदर के संवेदनशील कंपोनेंट्स को क्षतिग्रस्त होने से बचाएगा।

चावल के डिब्बे में रखना: यदि सिलिका जैल पैक्स उपलब्ध नहीं

हैं, तो आप अपने स्मार्टफोन को चावल के डिब्बे में भी रख सकते हैं। चावल भी नमी को सोखने में सक्षम होता है। स्मार्टफोन को चावल में पूरी तरह से डुबो दें और कम से कम 24 से 48 घंटे के लिए छोड़ दें। यह तरीका भी आपके फोन को जल्दी सुखाने में मददगार साबित हो सकता है।

एयर ड्रायर का सही उपयोग: एयर ड्रायर का उपयोग करते समय सावधानी बरतनी चाहिए। इसे लो हीट सेटिंग पर रखें और स्मार्टफोन से लगभग 6 इंच दूर रखें। ध्यान रहे कि हीटिंग से फोन के कंपोनेंट्स पर नकारात्मक प्रभाव न पड़े।

धूप में रखने से बचें: अक्सर लोग सोचते हैं कि फोन को धूप में रखने से वह जल्दी सूख जाएगा। लेकिन, यह एक गलत धारणा है। धूप में रखने से फोन के अंदर के कंपोनेंट्स पर अत्यधिक गर्मी का प्रभाव पड़ सकता है, जिससे वे क्षतिग्रस्त हो सकते हैं। इसलिए, फोन को धूप में रखने से बचें और उपरोक्त तरीकों का ही उपयोग करें।

प्रोफेशनल मदद कब लें

बारिश में भीग जाने के बाद स्मार्टफोन के सही तरीके से काम न करने की स्थिति में प्रोफेशनल मदद लेना अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। अगर आपका फोन बार-बार रीस्टार्ट हो रहा है, स्क्रीन पर अजीब सी लाइन्स दिख रही हैं, टचस्क्रीन सही से काम नहीं कर रही है, या स्पीकर और माइक्रोफोन में आवाज़ का मुद्दा है, तो यह हार्डवेयर समस्याओं के संकेत हो सकते हैं। ऐसे में तुरंत किसी प्रोफेशनल टेक्नीशियन से संपर्क करना चाहिए जो इन समस्याओं का सही निदान कर सके।

स्मार्टफोन निर्माता कंपनियों के अधिकृत सर्विस सेंटर ऐसे मामलों में सबसे विश्वसनीय विकल्प होते हैं। अगर आपका स्मार्टफोन अभी भी वारंटी में है, तो प्रोफेशनल मदद लेने से पहले यह जांच लें कि वारंटी की शर्तें क्या हैं। कई बार वारंटी में पानी या बारिश से हुए नुकसान को कवर नहीं किया जाता है।

पेट में कीड़े होने पर शरीर में दिखते हैं ये लक्षण

पेट में कीड़े की समस्या एक आम स्वास्थ्य समस्या है, जो अनेक लोगों को प्रभावित करती है। यह समस्या तब उत्पन्न होती है जब शरीर में परजीवी कीड़े या उनके अंडे प्रवेश करते हैं और पेट में बसीरा करते हैं। सामान्यतः यह समस्या दूषित भोजन, जल या अस्वच्छ वातावरण के कारण होती है। पेट में कीड़े होने से व्यक्ति को गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कि पोषण की कमी, इम्यून सिस्टम की कमजोरी और अन्य शारीरिक परेशानियाँ।

पेट में कीड़े बनने की समस्या बच्चों और वयस्कों दोनों में हो सकती है, लेकिन बच्चों में इसकी संभावना अधिक होती है क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम अभी पूर्ण रूप से विकसित नहीं होता। इसलिए, बच्चों की स्वास्थ्य जांच और खानपान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

पेट में कीड़े बनने के कारण

पेट में कीड़े बनने के कई प्रमुख कारण होते हैं, जिनमें प्रमुख रूप से अस्वच्छ भोजन, दूषित पानी, और खराब स्वच्छता शामिल हैं। अस्वच्छ भोजन का सेवन करने से पेट में कीड़ों का संक्रमण हो सकता है। उदाहरण के लिए, जब हम ऐसी सब्जियां या फलों का सेवन करते हैं जो उचित तरीके से साफ नहीं किए गए हैं, तो उनके साथ कीड़े या उनके अंडे भी हमारे शरीर में प्रवेश कर सकते हैं।

राउंडवर्म

राउंडवर्म एक प्रकार के गोल कीड़े होते हैं जो आमतौर पर दूषित पानी या भोजन के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं। यह कीड़े पेट में प्रवेश करके आंतों में रहते हैं और पोषक तत्वों को अवशोषित करते हैं। इसके लक्षणों में पेट दर्द, उल्टी,

वजन घटने और कमजोरी शामिल हो सकते हैं। बच्चों में, राउंडवर्म संक्रमण से विकास में रुकावट हो सकती है।

टैपवर्म

टैपवर्म एक सपाट कीड़े होते हैं जो आमतौर पर कच्चे या अधपके मांस के सेवन से शरीर में प्रवेश करते हैं। यह कीड़े आंतों की दीवारों से चिपककर बढ़ते हैं और शरीर के पोषक तत्वों को चुराते हैं। टैपवर्म संक्रमण के लक्षणों में पेट दर्द, भूख में बदलाव, थकान और वजन घटना शामिल हो सकते हैं। टैपवर्म के टुकड़े कभी-कभी मल में भी दिखाई दे सकते हैं।

पिनवर्म

पिनवर्म छोटे, सफेद कीड़े होते हैं जो मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित करते हैं। यह कीड़े गंदे हाथों, दूषित वस्त्रों या सतहों के संपर्क में आने से फैलते हैं। पिनवर्म संक्रमण का मुख्य लक्षण रात में गुदा क्षेत्र में खुजली होना है। इसके अलावा, पेट दर्द, बेचैनी और नींद में कमी भी इसके लक्षणों में शामिल हो सकते हैं।

कीड़े होने के लक्षण

पेट में कीड़े होने पर शरीर में विभिन्न लक्षण प्रकट हो सकते हैं। इनमें सबसे सामान्य है पेट दर्द, जो कभी-कभी तीव्र और असहनीय हो सकता है। इस प्रकार का दर्द आमतौर पर पेट के निचले हिस्से में महसूस होता है और यह समय-समय पर बढ़ता और घटता रहता है।

उल्टी और मितली भी सामान्य लक्षण हैं जो पेट में कीड़े होने पर अनुभव किए जा सकते हैं। कुछ लोगों को उल्टी के साथ-साथ दस्त की समस्या भी होती है, जो शरीर में पानी की कमी का कारण बन सकती है। यह स्थिति विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों के लिए खतरनाक हो सकती है, क्योंकि उनके शरीर में पानी की कमी तेजी से हो सकती है।

निदान

पेट में कीड़ों का निदान करने के लिए, चिकित्सक विभिन्न प्रकार के परीक्षण और जांचें करते हैं। इन परीक्षणों का उद्देश्य यह निर्धारित करना होता है कि शरीर में कीड़ों की उपस्थिति है या नहीं और यदि है तो किस प्रकार के कीड़े हैं। प्रमुख परीक्षणों में मल परीक्षण और रक्त परीक्षण शामिल हैं।

मल परीक्षण के माध्यम से डॉक्टर पेट के कीड़ों की पहचान करते हैं। इस परीक्षण में मल का नमूना लिया जाता है और उसमें कीड़े, उनके अंडे या लार्वा की उपस्थिति की जांच की जाती है। यह परीक्षण सरल और प्रभावी होता है, और अक्सर पेट में कीड़ों का पता लगाने के लिए सबसे पहला कदम होता है।

रक्त परीक्षण भी पेट में कीड़ों का निदान करने के लिए उपयोगी हो सकता है। रक्त में विशेष प्रकार के एंटीबॉडी या कीड़ों के संक्रमण के संकेतों की पहचान की जाती है। यह परीक्षण उन मामलों में विशेष रूप से उपयोगी होता है जब मल परीक्षण के परिणाम स्पष्ट नहीं होते या किसी विशेष प्रकार के कीड़े की पहचान करनी होती है।

इसके अलावा, कुछ मामलों में डॉक्टर अन्य परीक्षणों का भी सहारा ले सकते हैं, जैसे कि इमेजिंग परीक्षण (Imaging Tests) जैसे एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड या सीटी स्कैन। ये परीक्षण शरीर के आंतरिक अंगों की विस्तृत जानकारी प्रदान करते हैं और कीड़ों की उपस्थिति और उनकी स्थिति को स्पष्ट कर सकते हैं।

उपचार के विकल्प

पेट में कीड़े होने पर उपचार के कई विकल्प उपलब्ध हैं, जिनमें चिकित्सा दवाएं, घरेलू उपचार, और जीवनशैली में बदलाव शामिल हैं। सबसे पहले, चिकित्सा दवाओं की बात करें तो, डॉक्टर आमतौर पर एंटीपैरासिटिक दवाएं लिखते हैं, जो कीड़ों को मारने और शरीर से बाहर निकालने में मदद करती हैं। इन दवाओं को नियमित रूप से और निर्धारित अवधि तक लेना आवश्यक होता है, ताकि कीड़े पूरी तरह से समाप्त हो सकें।

घरेलू उपचारों की बात करें तो, कई पारंपरिक उपाय भी पेट के कीड़ों से निपटने में सहायक हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, कच्चा लहसुन खाना एक प्रसिद्ध घरेलू उपाय है, क्योंकि इसमें एंटीपैरासिटिक गुण होते हैं। इसके अलावा, पपीते के बीज, कद्दू के बीज, और नीम के पत्ते भी पेट के कीड़ों को खत्म करने में मदद कर सकते हैं। इन उपायों का उपयोग सावधानीपूर्वक और सही मात्रा में करना चाहिए, क्योंकि अत्यधिक मात्रा में सेवन हानिकारक हो सकता है।

दाढ़ी बनाते वक्त कहीं आप भी तो नहीं करते ये गलतियां, अपनाएं ये टिप्स

जिस तरह से महिलाएं अपनी खूबसूरती का ध्यान रखने के लिए तमाम तरह के स्किन केयर प्रोडक्ट इस्तेमाल करती हैं, ठीक उसी तरह से आजकल पुरुष भी अपनी त्वचा का खास ध्यान रखते हैं। पुरुषों के सबसे अहम ग्रूमिंग भाग की बात करें तो जिन लड़कों की दाढ़ी होती है वो सबसे ज्यादा अपनी दाढ़ी का ध्यान रखते हैं। इसके लिए वो समय-समय पर दाढ़ी सेट भी करते हैं।

कई बार न चाहते हुए भी पुरुष दाढ़ी बनाते वक्त कुछ ऐसी गलतियां कर जाते हैं, जिसकी वजह से उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। गलत तरह के दाढ़ी बनाने की वजह से चेहरे पर कट लगना, रेडनेस होना, दाने निकलना जैसी गंभीर परेशानियां आपको घेर सकती हैं। इन सभी परेशानियों से बचने के लिए दाढ़ी बनाते वक्त आपको कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखना चाहिए, ताकि शेविंग के बाद आपका लुक अच्छा दिखे, न कि

बिगड़ जाए।

चेहरे को तैयार न करना

अगर आप चेहरे को बिना तैयार किए शेविंग करेंगे तो इससे चेहरा कटने का डर रह सकता है। इसके लिए सबसे पहले चेहरे को पानी से अच्छी तरह धोकर गीला करें। बिना त्वचा को गीला किए आपको रेजर बर्न का सामना करना पड़ सकता है।

गलत रेजर का इस्तेमाल

अक्सर लोग पुराने रेजर और ब्लेड का इस्तेमाल लंबे समय तक करते रहते हैं। इससे चेहरा कटने का डर बना रहता है। पुरानी या बेधार रेजर का उपयोग कभी नहीं करना चाहिए। ये त्वचा को डैमेज कर सकता है।

कम शेविंग क्रीम का इस्तेमाल

कई बार कंजूसी के चलते बेहद ही कम शेविंग क्रीम का इस्तेमाल करते हैं। इससे दाढ़ी काटना थोड़ा कठिन हो जाता है। जबकि अगर आप सही मात्रा में शेविंग क्रीम या जेल का इस्तेमाल करेंगे तो इससे रेजर काफी आसानी से चलेगा और दाढ़ी आराम से कट जाएगी।

सही दिशा में करें शेव

अगर आप सही दिशा में रेजर नहीं चलाएंगे तो इसकी वजह से शेव सही से नहीं होगी। ऐसा करने से चेहरे पर जलन भी हो सकती है। ऐसे में हमेशा सही दिशा में ही शेव करें, ताकि आपको किसी तरह की परेशानी से न जूझना पड़े।

करवाचौथ व्रत में पूजा करते समय महिलाएं लाल रंग क्यों पहनती हैं

लाल रंग की साड़ी पहनें

करवा चौथ पर पहनावा भी मायने रखता है. लाल रंग पारंपरिक रूप से प्रेम, शक्ति और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। इस दिन लाल साड़ी पहनने से वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनी रहती है। रंग के महत्व को नजरअंदाज न करें, क्योंकि यह छोटे उपाय भी रिश्तों में सकारात्मक बदलाव लाते हैं।

हमारे देश में लाल रंग को बहुत शुभ माना जाता है।इस रंग को विवाहित और सुहाग का प्रतीक माना जाता है। सुहागिन महिला इस रंग को कुछ खास अवसरों पर जरूर धारण करती है।फिर चाहे वो वट सावित्री हो या करवाचौथ व्रत।इन दिनों में महिलाएं लाल रंग के कपड़े पहनना विशेष रूप से पसंद करती हैं, आप को बता दें कि लाल रंग प्रेम का भी प्रतीक माना जाता है।इसके अलावा इसके पीछे धार्मिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व भी जुड़ा होता है।यह परंपरा सिर्फ सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि एक गहरा प्रतीकात्मक अर्थ लिए होती है।

लाल रंग पहनने का महत्व और कारण:

1.शुभता और सौभाग्य का प्रतीक

लाल रंग को हिंदू संस्कृति में शुभ, ऊर्जा, और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है.

यह रंग देवी दुर्गा और लक्ष्मी से जुड़ा है, जो शक्ति और समृद्धि की देवी हैं.

2. विवाहिता स्त्री की पहचान

लाल रंग विशेष रूप से विवाहिता महिलाओं से जुड़ा होता है।जैसे सिंदूर, चूड़ी, बिंदी आदि.

करवाचौथ का व्रत पति की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि के लिए रखा जाता है, इसलिए लाल रंग पहनना इस भावना को दर्शाता है।

3. प्रेम और समर्पण का रंग

लाल रंग प्रेम, उत्साह और समर्पण का प्रतीक है।यह पति-पत्नी के रिश्ते की गहराई और भावनात्मक जुड़ाव को दर्शाता है।

4. धार्मिक दृष्टिकोण से ऊर्जा का संचार

पूजा-पाठ में लाल रंग को सकारात्मक ऊर्जा और आध्यात्मिक शक्ति से जोड़कर देखा जाता है।

व्रत के दिन लाल रंग पहनने से मनोबल बढ़ता है और पूजा में एकाग्रता आती है.

5.परंपरा और सांस्कृतिक विरासत

पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा के अनुसार, करवाचौथ पर लाल रंग पहनना एक सांस्कृतिक पहचान बन चुका है।

यह न सिर्फ धार्मिक भावना को दर्शाता है, बल्कि सामूहिक उत्सव का हिस्सा भी बनता है.

लाल रंग के साथ क्या पहनें?

लाल साड़ी, सूट या लहंगा के साथ गोल्डन या कांच की चूड़ियां।

सिंदूर, बिंदी और मांगटीका से पूरा पारंपरिक लुक. चाहें तो हल्का मेकअप और लाल लिपस्टिक से लुक को पूरा करें।

कैसे करें गुरुवार व्रत की शुरुआत?

गुरुवार का दिन भगवान विष्णु की पूजा और व्रत के लिए होता है। अग्नि पुराण में उल्लेख मिलता है कि इस दिन भगवान विष्णु ने काशी में शिवलिंग की स्थापना की थी, जिस वजह से इस दिन विधि-विधान से पूजा करने और व्रत रखने का महत्व थोड़ा ज्यादा बढ़ जाता है. गुरुवार व्रत और पूजा करने से गुरु दोष मिटता है, वैवाहिक जीवन की समस्याएं दूर होती हैं और लक्ष्मी नारायण की कृपा मिलती है. गुरुवार के दिन व्रत रखने से धन, समृद्धि, संतान और सुख-शांति की प्राप्ति होती है. गुरुवार व्रत कब शुरू करना चाहिए?

गुरुवार व्रत विधि और नियम

गुरुवार व्रत का प्रारंभ आप किसी भी माह के शुक्ल पक्ष के पहले गुरुवार से कर सकते हैं.

इस व्रत को 16 गुरुवार तक रखा जाता है. उसके बाद गुरुवार व्रत का उद्यापन कर दें।

गुरुवार के दिन व्रत शुरू करने के लिए आप ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें, फिर मंदिर या पूजा स्थल को साफ करें और गंगाजल छिड़ककर शुद्ध करें

एक चौकी पर कपड़ा बिछाकर पूजन सामग्री रखें, इसके बाद भगवान विष्णु का ध्यान करके व्रत का संकल्प लें।

फिर केले के पौधे की जड़ में चने की दाल, गुड़ और मुनक्का चढ़ाकर भगवान विष्णु की पूजा करें।

उसके बाद दीपक जलाएं, गुरुवार व्रत कथासुनें और भगवान बृहस्पति भगवान की आरती करें. आरती के बाद आचमन करें.

मान्यता है कि जो जातक इस दिन व्रत रखते हैं, उन्हें पीले वस्त्र धारण करने चाहिए और पीले फल-फूलों का दान करना चाहिए. ऐसा करने से लाभ मिलता है।

भगवान विष्णु को हल्दी चढ़ाने से मनोकामना पूरी होती है और पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

गुरुवार के दिन किसी गरीब या जरूरतमंद व्यक्ति को अन्न और धन का दान करने से भी पुण्य प्राप्त होता है।

मान्यता है कि केले के पौधे में भगवान विष्णु का वास होता है. इसी कारण गुरुवार के दिन केले के पौधे की पूजा की जाती है।

आज शुक्र का कन्या राशि में प्रवेश

9 अक्टूबर को शुक्र ग्रह सिंह राशि से निकलकर कन्या राशि में प्रवेश करेगा। ये ग्रह 2 नवंबर तक इसी राशि में रहेगा, इसके बाद तुला राशि में प्रवेश करेगा।

मेष-शुक्र इस राशि के रोग, शत्रु और ऋण के भाव में रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। हालांकि, करियर में मेहनत का फल मिलेगा। विरोधी शांत रहेंगे। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृषभ- शुक्र आपके प्रेम, संतान और शिक्षा के भाव में रहेगा। प्रेम संबंध में सावधानी बरतें। छात्रों के लिए समय अच्छा है। आय के नए स्रोत खुल सकते हैं। लाभ होने की संभावना है।

मिथुन- शुक्र आपकी कुंडली के सुख, माता और वाहन के भाव में रहेगा। पारिवारिक सुख बढ़ेगा। इस राशि के कुछ लोग नया घर या वाहन खरीदने पर विचार कर सकते हैं। माता से आर्थिक लाभ संभव है।

कर्क- ये ग्रह आपके पराक्रम, छोटे भाई-बहन और संचार के भाव में रहेगा। आपके प्रयासों में वृद्धि होगी। छोटे भाई-बहनों से संबंध अच्छे रहेंगे। वाणी में मिठास आएगी, जिससे कार्यक्षेत्र में लाभ होगा। यात्रा के योग बन सकते हैं।

सिंह- इस राशि के लिए शुक्र अब आपके धन और कुटुंब के भाव में रहेगा। ये बदलाव आपके लिए आर्थिक मजबूती लाएगा। करियर में तरक्की मिल सकती है और रुके हुए काम पूरे होंगे। धन संचय करने में सफल होंगे।

कन्या- शुक्र आपकी कुंडली के लग्न यानी प्रथम भाव में रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। हालांकि, आपके व्यक्तित्व में आकर्षण बढ़ेगा। दांपत्य जीवन की परेशानियां समाप्त हो सकती हैं। अविवाहितों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों को प्रमोशन और वेतन वृद्धि मिल सकती है।

तुला-ये ग्रह आपकी कुंडली के व्यय और विदेश भाव में रहेगा। खर्चों में बढ़ोतरी हो सकती है, विशेषकर सुख-सुविधाओं पर। विदेश से जुड़े मामलों में सफलता मिल सकती है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें और अनावश्यक भागदौड़ से बचें।

वृश्चिक- शुक्र आपके आय और लाभ के भाव में रहेगा। ये समय आपके लिए बेहद शुभ हो सकता है। नौकरी में पदोन्नति की खबर मिल सकती है। व्यापार में लाभ होगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। कला और सोशल मीडिया से जुड़े लोगों को विशेष सफलता मिल सकती है।

धनु- ये गोचर आपके कर्म या करियर के भाव में होगा। करियर में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों या वरिष्ठों से अधिक अपेक्षाएं रह सकती हैं। धैर्य से काम लें, निवेश संबंधी फैसले सावधानी से करें।

मकर- शुक्र का गोचर आपकी कुंडली के भाग्य और धर्म के भाव में होगा। भाग्य का साथ मिलेगा और लंबे समय से रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। धार्मिक यात्रा पर जाने का योग बन सकता है। उच्च शिक्षा के लिए समय अनुकूल है।

कुंभ- शुक्र आपके आयु, अनुसंधान और अचानक लाभ के भाव में रहेगा। अचानक धन लाभ की संभावना बन सकती है। स्वास्थ्य के मामलों में ध्यान दें। शोध या गुप्त कार्यों में लगे लोगों को सफलता मिल सकती है।

मीन- शुक्र आपके दांपत्य जीवन और साझेदारी के भाव में रहेगा। वैवाहिक जीवन में तालमेल बनाए रखने की आवश्यकता है। साझेदारी के व्यापार में लाभ हो सकता है। सामाजिक मान-सम्मान बढ़ेगा।

सबसे पहले करवाचौथ व्रत किसने किया था?

करवाचौथ व्रत हिंदू संस्कृति का एक बेहद खास और पवित्र त्योहार है, जो पति-पत्नी के अटूट प्रेम और समर्पण का प्रतीक माना जाता है। हर साल सुहागिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, सुख और समृद्धि के लिए दिनभर निर्जला व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर व्रत तोड़ती हैं।लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि करवाचौथ व्रत सबसे पहले किसने रखा था और इसकी शुरुआत कैसे हुई? इसकी जड़ें हमारे प्राचीन पौराणिक ग्रंथों और लोककथाओं में छिपी हैं।

पौराणिक कथा – रानी वीरावती की कहानी

करवाचौथ व्रत की शुरुआत की सबसे प्रसिद्ध कथा रानी वीरावती से जुड़ी है।कहा जाता है कि वीरावती सात भाइयों की इकलौती बहन थीं और उनसे बहुत प्यार पाती थीं। विवाह के बाद जब उनका पहला करवाचौथ आया, तो वे अपने मायके चली गईं और व्रत रखा।पूरे दिन बिना पानी और भोजन के वे अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती रहीं।शाम होते-होते भूख-प्यास से उनकी हालत खराब हो गई।अपनी बहन की यह दशा देखकर भाइयों से रहा नहीं गया। उन्होंने छल से एक दर्पण में दीपक की रोशनी दिखाकर कहा कि चांद निकल आया है।वीरावती ने यह सोचकर व्रत तोड़ दिया।जैसे ही उन्होंने पहला निवाला खाया, उन्हें अपने पति की मृत्यु का समाचार मिला।

यह सुनकर वीरावती फूट-फूटकर रोने लगीं और अपने पति के शव के पास जाकर पूरे मन से भगवान से प्रार्थना करने लगीं।उनकी सच्ची श्रद्धा और पतिव्रता भावना से प्रसन्न होकर देवी पार्वती ने उन्हें वरदान दिया और उनके पति को पुनः जीवित कर दिया।तभी से यह व्रत सौभाग्य की रक्षा और पति की दीर्घायु के लिए रखा जाने लगा।

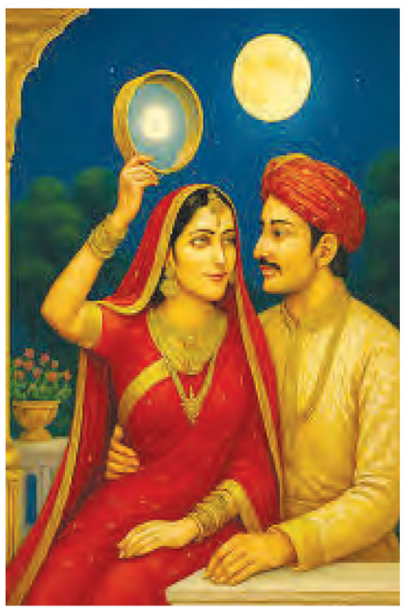

अन्य कथाएं और मान्यताएं

एक अन्य कथा के अनुसार, करवा नाम की एक सती स्त्री ने अपने पति को मगरमच्छ से बचाने के लिए यमराज तक से युद्ध कर लिया था।उसकी सच्ची भक्ति और प्रेम से प्रभावित होकर यमराज ने उसके पति का जीवन वापस कर दिया।इसलिए कई जगहों पर करवाचौथ को "करवा की कथा" से जोड़ा जाता है।इसके अलावा महाभारत काल में भी इस व्रत का उल्लेख मिलता है।

कहा जाता है कि द्रौपदी ने भी अर्जुन के लिए करवाचौथ व्रत रखा था, जब वे तपस्या करने के लिए नीलगिरि पर्वत गए थे।

व्रत का महत्व

करवाचौथ व्रत न केवल पति की लंबी उम्र के लिए रखा जाता है, बल्कि यह पति-पत्नी के बीच विश्वास, प्रेम और एकता का प्रतीक है।इसे केवल महिलाओं का नहीं, बल्कि परिवार की एकता और सकारात्मक ऊर्जा का पर्व भी माना जाता है।चांद को देखकर और पति के हाथों से पानी पीकर व्रत तोड़ने की परंपरा आज भी उसी श्रद्धा और प्रेम के साथ निभाई जाती है, जैसी रानी वीरावती ने सबसे पहले निभाई थी।

मनी प्लांट लगाने से नहीं मिल रहा सही फायदा, तो करें यह उपाय

वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में मनी प्लांट रखने की सबसे शुभ दिशा दक्षिण पूर्व यानी (आग्नेय कोण) माना जाता है। यह दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी होती है, जो घर में ऊर्जा उत्साह और समृद्धि लाती है।अग्नि कोण के स्वामी भगवान कुबेर माने जाते हैं, जो धन और वैभव के देवता है।इसलिए जब मनी प्लांट को इस दिशा में रखा जाता है तो लोगो की आर्थिक स्थिति बेहतर होती है।वास्तु के मुताबिक मनी प्लांट को दक्षिण-पूर्व दिशा में ही रखने से माता लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है। इस दिशा में भूलकर भी ना लगाये

मनी प्लांट

वहीं, मनी प्लांट को कभी भी उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में नहीं रखना चाहिए।यह दिशा जल तत्व से जुड़ी होती है और यहां मनी प्लांट लगाने से लोगों को धन हानि आर्थिक रुकावट होती है। साथ ही बार-बार पैसों की तंगी और शारीरिक समस्याएं जैसी कोई समस्या उत्पन्न हो सकती है।इसके अलावा उत्तर दिशा में से रखने से घर की सकारात्मक ऊर्जा में भी कमी आती है।

ऐसे रखें मनी प्लांट का ध्यान

वास्तु शास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को घर के अंदर लगाना अत्यंत शुभ माना जाता है।इसे ऐसे स्थान पर रखें जहां रोशनी आती हो, लेकिन सीधी धूप न पड़े।यह पौधा छाया में भी अच्छी तरह पनपता रहता है और घर के वातावरण को शुद्ध रखता है।वास्तु के अनुसार रात के समय मनी प्लांट को छूना या पानी देना बहुत अशुभ माना जाता है।मनी प्लांट को सूखने या पीला होने से बचाना भी बहुत जरूरी है।क्योंकि इससे घर की ऊर्जा पर असर पड़ता है।सूखे और मुरझाए पत्ते नकारात्मक ऊर्जा को आकर्षित करते हैं।इसलिए समय-समय पर इसके सूखे और पीले पत्तों को हटाते रहे और पौधों को साफ सुथरा रखें।

मनी प्लांट से लाभ पाने के लिए करें ये उपाय

मनी प्लांट से जुड़े धन लाभ के लिए उपाय वास्तु शास्त्र के अनुसार मनी प्लांट में पानी डालते समय उसमें थोड़ा सा दूध मिलाना अत्यंत शुभ माना जाता है। यह उपाय घर में धन के प्रभाव को बढ़ाता है और आर्थिक परेशानियों को दूर करता है।

श्री कृष्ण दीवानी मीराबाई की अमर प्रेम कहानी

भक्ति और प्रेम के अद्भुत मेल की मिसाल भगवान श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त तथा निश्छल भक्ति रूपी गगन में ध्रुव तारे की भांति अडिग एक दिव्य नाम है चिरवंदनीय 'मीराबाई' जी का, जो एक आध्यात्मिक कवयित्री होने के साथ-साथ अध्यात्म पथ का अनुसरण करने वाले पथिकों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने अपने चरित्र से सार्थक किया कि प्रेम विहीन भक्ति सदैव अधूरी है। निश्छल प्रेम आत्म तत्व की रचना है, जिसे मीरा जी ने अनुभव किया। कलिकाल में प्रेमाभक्ति को चरमोत्कर्ष प्रदान करने वाली दिव्य ऊर्जा माता मीरा के निश्चल प्रेम को शब्दों में व्यक्त करते हुए शब्द भी निःशब्द से हो जाते हैं :

प्राकट्य : ऐतिहासिक तथ्यों के अनुसार सन 1498 ईस्वी के करीब जोधपुर के चोकड़ी नामक ग्राम में मेड़ता राजस्थान के राठौर श्री रतन सिंह घर संत आत्मा श्री मीरा देवी का जन्म हुआ था।

कृष्ण भक्ति में रुचि

इनकी माता जी योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण की उपासक थीं। माता के संग बचपन से ही श्रीकृष्ण का गुणगान श्रवण करते-करते इन्हें श्रीकृष्ण चरणों से अनुराग बाल्यकाल से ही हो गया था पर भगवान कृष्ण संग आत्मिक संबंध का बीज बालहृदय पर उस समय अंकुरित हुआ, जब वह अपनी माता के संग पड़ोस की एक कन्या के विवाह में गई।

वहां वर-वधू को सजा संवरा देख कर मीरा जी ने अपनी मां से पूछा मेरा पति कौन है? मां ने मुस्कुराते हुए भगवान कृष्ण की मूर्ति उठाकर हंसते हुए मीरा के हाथ में थमा कर कहा यह तेरा पति है। मां के वचन मीरा के हृदय में अंकित हो गए। अब भोर काल से ही भगवान कृष्ण की सेवा-उपासना करना मानो मीरा जी का नित्य-नियम और धर्म बन गया। सांस-सांस में श्रीकृष्ण का स्मरण करने वाली मीरा ज्यों-ज्यों बढ़ रही थीं उनके अंतःकरण में श्री कृष्ण के प्रति भाव भक्ति भी बढ़ रही थी।

विवाह

मीरा जी के पिता ने इनका विवाह संस्कार 13 वर्ष की आयु में उदयपुर के राणा सांगा के ज्येष्ठ पुत्र महाराज कुमार भोजराज के साथ किया। एक किंवदंती के अनुसार जब इनका विवाह हुआ तो फेरों की विधि के समय मीरा जी ने भगवान कृष्ण की वही मूर्ति अपने वक्ष से लगाए रखी।

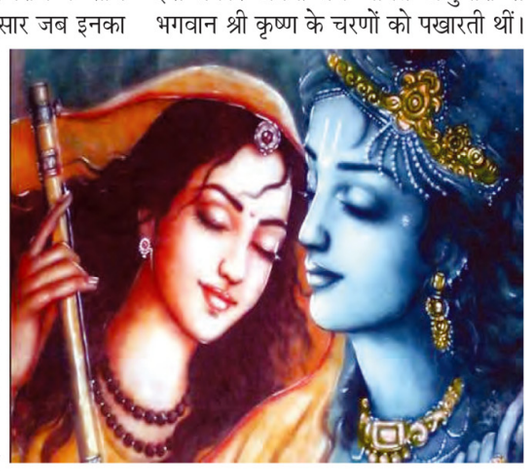

विवाह संस्कार संपन्न हुआ, मीरा जी ससुराल आईं तो पति महाराज भोजराज से भेंट हुई। मीराबाई जी ने पति से कहा कि आप मात्र मेरे तन के स्वामी हैं, मेरी आत्मा के स्वामी तो भगवान श्री कृष्ण हैं।

'जाके सिर मोर मुकुट मेरो पति सोई'।

वही मेरे आत्मापति हैं। आरंभ में तो महाराज भोजराज ने मीरा जी के इन भावों को गंभीरता से नहीं लिया किन्तु धीरे-धीरे इनका भक्ति भाव राज घराने की आंखों में खटकने लगा, किंतु मीरा जी की भक्ति में जरा भी अंतर नहीं आया। इनके पति कुछ वर्षों बाद ही संसार को छोड़ गए, ऐसे में मात्र भगवान कृष्ण ही इनके एकमात्र सहारा थे ।

विधवा होने पर भी मीरा जी ने श्रृंगार नहीं त्यागा, वह तो अपने आत्मापति श्री कृष्ण के लिए श्रृंगार करती थीं। मीरा जी ठाकुर द्वारे में जाकर भगवान श्री कृष्ण के सम्मुख लोक लाज और मिथ्या आडम्बरों से दूर हो पैरों में घुंघरु बांधकर करताल बजा-बजाकर नृत्य करती हुई निज भावों को गातीं :

पग घुंघरू बांध मीरा नाची रे ।लोग कहै मीरां भई रे बावरी, सास कहै कुलनासी रे।।

इस प्रकार अपनी प्रेम जनित अश्रुधारा से भगवान श्री कृष्ण के चरणों को पखारती थीं।

यह सब राज घराने की मर्यादा के विपरीत था। परिवार वालों ने इनके भक्ति भाव को भक्ति न जानकर कुल मर्यादाओं में सेंध समझा। मीरा को कुटुंबजनों के अनेकों अमर्यादित कटु वचनों को ही नहीं सुनना पड़ा, बहुत दुर्व्यवहार भी सहना पड़ा। इन्हें मारने के लिए राणा ने विष भेजा। उन्होंने अपने ही मुख से कहा :

धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी को बॉम्बे हाईकोर्ट से झटका, अदालत ने विदेश जाने से किया इनकार

60 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा को अब बॉम्बे हाई कोर्ट से झटका लगा। कोर्ट ने अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी को कोलंबो जाने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने साफ कहा कि यदि उन्हें विदेश जाना है, तो पहले उन्हें 60 करोड़ रुपए जमा करने होंगे, इसके बाद ही वो विदेश यात्रा पर जा सकते हैं। जाहिर है कि आर्थिक अपराध शाखा ने शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है, इसलिए दोनों ही जांच एजेंसी या अदालत की अनुमति के बिना विदेश यात्रा नहीं कर सकते।

अदालत ने कहा पहले पैसे दें, फिर जाएं

शिल्पा शेट्टी के वकील ने कोर्ट में बताया कि अभिनेत्री को एक यूट्यूब कार्यक्रम के लिए कोलंबो जाना है। यह कार्यक्रम 25 से 29 अक्तूबर तक आयोजित है। हालांकि, जब अदालत ने वकील से पूछा कि क्या उनके पास कोई निमंत्रण है, तो शिल्पा के वकील ने कहा कि जब तक यात्रा की अनुमति नहीं मिल जाती, तब तक कोई निमंत्रण जारी नहीं किया जाएगा। अभिनेत्री ने केवल फोन पर बात की थी। इस पर अदालत ने कहा कि दंपति पहले धोखाधड़ी के आरोपों के लिए 60 करोड़ रुपये का भुगतान करें, उसके बाद मामले पर विचार किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई अब 14 अक्तूबर को होगी।

एक दिन पहले शिल्पा से हुई थी पूछताछ

इससे पहले कल मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने इस मामले में शिल्पा शेट्टी से पूछताछ की थी। जानकारी के मुताबिक, शिल्पा से लगभग 5 घंटे तक पूछताछ हुई थी। शिल्पा से उनके आवास पर पूछताछ हुई थी। पूछताछ के दौरान शिल्पा शेट्टी ने अपनी विज्ञापन कंपनी के बैंक खाते में कथित लेनदेन की जानकारी दी। साथ ही शिल्पा ने पुलिस को कई दस्तावेज उपलब्ध कराए, जिनकी जांच अधिकारी कर रहे हैं।

शिल्पा ने खुद को बताया साइलेंट पार्टनर

शिल्पा शेट्टी से ईओडब्ल्यू की टीम ने कंपनी में उनकी भूमिका, निवेश निर्णयों में उनकी भागीदारी और वित्तीय दस्तावेजों पर उनके हस्ताक्षर से जुड़े कई सवाल पूछे। सूत्रों के अनुसार, अभिनेत्री ने खुद को 'एक साइलेंट पार्टनर' बताया और कहा कि कंपनी के सारे ऑपरेशनल फैसले उनके पति राज कुंद्रा लेते थे।

बॉलीवुड डेब्यू के लिए तैयार श्रीलीला

23 साल की ये हसीन अदाकारा अपनी खूबसूरती और अदाकारी से सबका दिल जीत लेती हैं. साउथ की कई फिल्मों की ये स्टार एक्ट्रेस जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू करने वाली हैं. अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म 'पुष्पा 2' के 'किसिक' गाने से पूरे देश में छा जाने वाली इस एक्ट्रेस ने 22 साल की उम्र में 2 बच्चियों को गोद लिया था. चलिए एक्ट्रेस से आपको मिलवाते हैं.

साउथ की मशहूर अदाकारा

जी हम बात कर रहे हैं साउथ की मशहूर अदाकारा श्रीलीला की, जिन्होंने तेलुगू और कन्नड़ फिल्मों में काम किया है. अल्लू अर्जुन स्टारर फिल्म 'पुष्पा 2' के 'किसिक' गाने से एक्ट्रेस रातोंरात स्टार बन गईं. आज उनकी पहचान पूरे देशभर में है.

करने वाली है बॉलीवुड डेब्यू

सोशल मीडिया पर एक्टिव श्रीलीला के आज लाखों फॉलोवर्स हैं. यहां एक्ट्रेस अक्सर अपनी हसीन फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं. साउथ की फिल्मों में धमाल मचाने वाली श्रीलीला अब जल्द ही अपना बॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं.

कार्तिक आर्यन संग आएंगी नजर

खबर है कि वो जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ बड़े प्रोजेक्ट में नजर आने वाली हैं. उनकी इस अपकमिंग फिल्म को 'आशिकी' फ्रेंचाइजी से जोड़ा जा रहा है. दोनों की ऑनस्क्रीन जोड़ी देखने के लिए फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

अनाथालय से दो बच्चियों को लिया गोद

बता दें कि श्रीलीला जब 22 साल की थीं तब उन्होंने अनाथालय से 2 बच्चियों को गोद लिया था. तब से ही एक्ट्रेस एक जिम्मेदार 'मां' का फर्ज भी निभा रही हैं. एक्ट्रेस ने अपने करियर की शुरूआत कन्नड़ फिल्म 'किस' से की थी.

23 साल में बिना शादी बन चुकी है 2 बच्चों की मां

सोशल मीडिया पर काफी पॉपुलर

अपने बॉलीवुड डेब्यू से पहले ही श्रीलीला काफी पॉपुलर हो गई हैं. सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस काफी फेमस हैं. उनकी फैन फॉलोइंग भी तगड़ी है. उनका सिजलिंग लुक हमेशा लोगों का दिल जीत लेता है.

मोहनलाल ने की सेना प्रमुख से मुलाकात; बोले- 'सम्मान पाकर अच्छा लगा, 16 साल से सेना का हिस्सा हूं'

अभिनेता मोहनलाल को हाल ही में दादासाहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अब अभिनेता ने आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद अभिनेता ने इसे अपने लिए सम्मान की बात बताया। साथ ही उन्होंने बताया कि सेना प्रमुख से उनकी क्या बात हुई।

टीए बटालियन को लेकर की बात

मुलाकात के बाद मीडिया से बात करते हुए अभिनेता मोहनलाल ने कहा कि सेना प्रमुख से प्रशंसा पाना एक बड़ी उपलब्धि और सम्मान की बात है। दादा साहब फाल्के पुरस्कार भी इसका एक कारण है। हमारी मुलाकात अच्छी रही और हमने एक छोटा सा लंच भी किया। यह सेना के जवानों की तरफ से एक बड़ा सम्मान है। एक्टर ने कहा कि मैं भी पिछले 16 साल से इस सेना का हिस्सा रहा हूं। हमने इस बारे में बातचीत की कि कैसे टीए बटालियन में और अधिक दक्षता लाई जाए और हम देश के लिए क्या कर सकते हैं।

सेना पर आधारित फिल्मों में काम करने की जताई इच्छा

न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत में एक्टर मोहनलाल ने आगे बताया कि वह भारतीय सेना पर केंद्रित और भी फिल्मों में काम करने के लिए उत्सुक हैं। बता दें कि इससे पहले मलयालम सुपरस्टार को शनिवार को तिरुवनंतपुरम में 'मलयालम वनोलम लालसालम' कार्यक्रम में उनकी उपलब्धि के लिए केरल सरकार द्वारा सम्मानित किया गया था। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने मोहनलाल को केरल सरकार की ओर से कवि प्रभा वर्मा द्वारा लिखित एक प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

विजय ने करूर भगदड़ पीड़ितों से की बात, वीडियो कॉल के जरिए हरसंभव मदद का दिया आश्वासन

अभिनेता व राजनेता थलापति विजय ने करूर में उनकी रैली में हुई भगदड़ के पीड़ितों को मदद का भरोसा दिया है। एक्टर ने व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए पीड़ितों से बात की और उन्हें हरसंभव मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया है।

विजय ने दिया मदद का आश्वासन

इससे पहले विजय को पीड़ित परिवारों से न मिलने के कारण आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। अब तमिलगा वेत्री कज़गम पार्टी के प्रमुख विजय ने एक पीड़ित परिवार से वीडियो कॉल के जरिए बात की है। पीड़ित परिवार की ओर से खुद इस बारे में बताया गया। परिवार ने बताया कि विजय ने मेरे दामाद को फोन किया और घटना के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने इस घटना पर खेद व्यक्त किया और कहा कि ऐसा नहीं होना चाहिए था। साथ ही विजय ने परिवार को अपनी मदद का आश्वासन भी दिया।

करूर जाने पर अभी नहीं है कुछ कंफर्म

एक अन्य पीड़ित परिवार ने भी विजय के कॉल के बारे में जानकारी दी। परिवार ने बताया कि अभिनेता-नेता ने बात करते हुए महिला को सांत्वना देते हुए कहा कि मैं आपके बेटे जैसा हूं। हालांकि, टीवीके के सूत्रों का कहना है कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि विजय करूर जाएंगे या नहीं। लेकिन उन्होंने पार्टी सदस्यों से प्रभावित परिवारों से संपर्क करने को कहा है।

फर्जी कार पंजीकरण मामले में दुलकर-पृथ्वीराज की मुश्किलें बढ़ीं, क्या है भूटान-नेपाल से जुड़ा मामला?

इन दिनों साउथ एक्टर दुलकर सलमान फिल्मों की बजाय फर्जी पंजीकरण कार मामले को लेकर खबरों में है। सलमान के पास कुछ लग्जरी कार थीं। कस्टम विभाग ने इन कारों को जब्त किया क्योंकि यह तस्करी के जरिए भूटान से भारत आईं। इस मामले में दुलकर सलमान हर दिन मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। हाल ही में ईडी के कोच्चि क्षेत्रीय कार्यालय के एक अधिकारी ने इसी मामले को लेकर एक नई जानकारी साझा की है।

17 स्थानों पर तलाशी अभियान जारी

ईडी अधिकारी का कहना है कि लग्जरी वाहनों की तस्करी और अनधिकृत विदेशी मुद्रा लेन-देन को लेकर चल रही जांच के सिलसिले में केरल और तमिलनाडु में 17 स्थानों पर तलाशी अभियान जारी है। यह अभियान विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के तहत चलाया जा रहा है। इस तलाशी अभियान में कई दक्षिण भारतीय कलाकारों के नाम शामिल हैं, जिनमें से दुलकर सलमान भी एक हैं।

दुलकर सलमान के घर पर तलाशी ली गई

ईडी के तलाशी अभियान में पृथ्वीराज, दुलकर सलमान और अमित चकलाकल जैसे फिल्मी सितारों के घर और ऑफिस पर तलाशी की गई। साथ ही एर्नाकुलम, त्रिशूर, कोझीकोड, मलप्पुरम, कोट्टायम और कोयंबटूर में कुछ वाहन मालिकों, ऑटो वर्कशॉप और व्यापारियों सहित 17 परिसरों की तलाशी ली गई। यह तलाशी उन सूचनाओं पर आधारित थीं जिनसे पता चला कि एक गिरोह भारत-भूटान और भारत-नेपाल मार्गों के जरिए से लैंड क्रूजर, डिफेंडर जैसी कई लग्जरी कारों के अवैध आयात और पंजीकरण में लिप्त है।

फर्जी दस्तावेज बनाकर फिल्मों सितारों की बेचीं कार

शुरुआती जांच से पता चला है कि कोयंबटूर स्थित एक नेटवर्क जाली दस्तावेजों और अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और अन्य राज्यों में फर्जी आरटीओ पंजीकरणों का इस्तेमाल कर रहा था। बाद में यह नेटवर्क फिल्मी हस्तियों के अलावा अमीर लोगों को कम कीमत पर तस्करी वाले वाहन बेच देता था।

दिग्गज एक्टर राज कुमार ने 4 दशकों तक हिंदी सिनेमा में राज किया था

बॉलीवुड से इस एक्टर ने कई फिल्मों में काम किया और चार दशकों तक इंडस्ट्री में राज किया। इनके बारे में बताया गया था कि इन्होंने एक शख्स को इतना मारा था कि उसकी मौत हो गई थी। इतना ही नहीं, इनकी बेटी ने मीरा कपूर के पति का पीछा किया था।

कुलभूषण पंडित नाम से 8 अक्टूबर 1926 को जन्मे दिग्गज एक्टर राज कुमार ने 4 दशकों तक हिंदी फिल्मों में काम किया। 70 फिल्मों में ये स्टार भी रहे। आज इनकी बर्थ एनिवर्सरी के मौके पर हम आपको कुछ दिलचस्प बातें बताने जा रहे हैं। एक वाकया तो वाकई चौंकाने वाला है, जहां इन्होंने एक आदमी को मौत के घाट उतार दिया था और खुलासा रजा मुराद ने किया है। जानिए क्या थी वजह।

बलूचिस्तान में जन्मे, सब इन्सपेक्टर बने

राज कुमार फिल्मी दुनिया में कदम रखने से पहले पुलिस ऑफिसर की नौकरी कर रहे थे। उनका जन्म पाकिस्तान के बलूचिस्तान (तब ब्रिटिश इंडिया का प्रांत था) में 1926 में हुआ था। परिवार कश्मीरी पंडित थे, जो बलूचिस्तान से श्रीनगर माइग्रेट होकर आए थे।

राज कुमार की पत्नी और बच्चे

1940 में राज कुमार मुंबई आ गए और बॉम्बे पुलिस के अंडर सब-इन्सपेक्टर बन गए। 1960 में उन्होंने एंग्लो-इंडियन जेनिफर पंडित से शादी की थी, जिन्होंने अपना नाम बदलकर गायत्री कुमार रख लिया था। वह एक एयर होस्टेस थीं और फ्लाइट में उनकी मुलाकात हुई थी। इनके तीन बच्चे हुए, बेटा पुरु राज कुमार एक्टर है। दूसरा बेटा पाणिनि राज कुमार और बेटी वस्तुविक्ता पंडित, जिन्होंने 2006 की फिल्म 'एटः द पावर ऑफ शनि' से डेब्यू किया था।

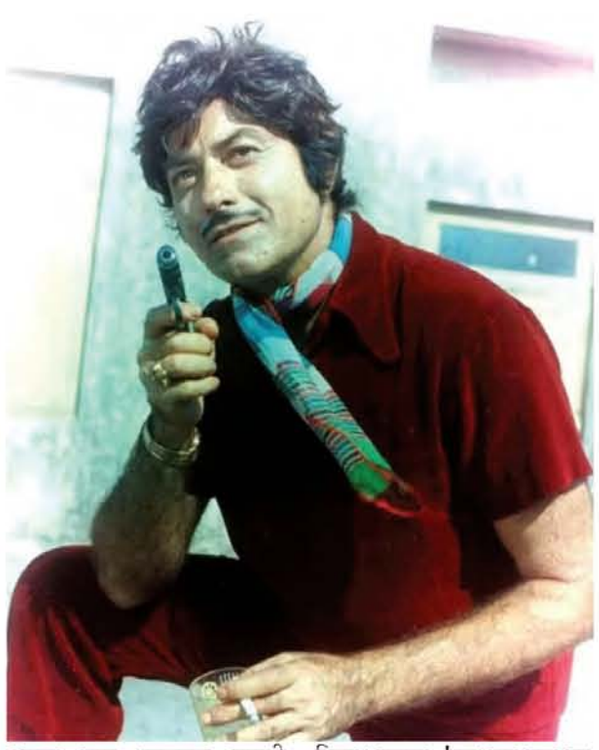

राज कुमार ने इतना मारा कि मौत हो गई

रजा मुराद ने न्यूज एजेंसी से बातचीत में एक्टर राज कुमार के उस खौफनाक वाकये का खुलासा किया। बताया, 'एक बार राज सर अपने दोस्त और उनकी गर्लफ्रेंड के साथ जुहू बीच पर थे। किसी ने अब दोस्त की गर्लफ्रेंड के बारे में भद्दा कमेंट किया तो राज सर इतना गुस्सा हो गए कि उन्होंने उस आदमी को इतनी बुरी तरह से पीटा कि उसकी मौत हो गई।'

रजा मुराद ने बताया कि राज साहब के खिलाफ एक मर्डर केस था। 'मेरे पिता उनके बहुत अच्छे दोस्त थे इसलिए जब भी कोर्ट की सुनवाई होती तो वह उन्हें सपोर्ट करने के लिए जाते थे।' एक्टर के मुताबिक, ये केस लंबा चला था लेकिन अंत में राज कुमार को बरी कर दिया गया था।

69 की उम्र में कैंसर से राज कुमार का निधन

राज कुमार क जुलाई, 1996 में गले के कैंसर से दो साल तक जूझने के बाद 69 उम्र में निधन हो गया था। हालांकि उन्होंने एक पुराने इंटरव्यू में कहा था कि वह नहीं चाहते कि फिल्म इंडस्ट्री का कोई भी सदस्य उनके अंतिम संस्कार में शामिल हो। उन्होंने डायरेक्टर मेहुल कुमार से कहा था, 'जानी, तुमको मालूम नहीं, श्मशान यात्रा को तमाशा बना देते हैं फिल्म लाइन में।

लोग सफेद कपड़े पहनकर आएंगे, फिर प्रेस वाले भी आएंगे। गुजरे हुए इंसान को श्रद्धांजलि देने के बजाय, तमाशा बना देते हैं। मेरा अंतिम संस्कार मेरी फैमिली के लिए है। मेरे परिवार के अलावा, कोई भी शामिल नहीं होगा।'

पत्नी की भी 69 की उम्र में मौत

राज कुमार की पत्नी गायत्री का 28 नवंबर 2023 को 69 की उम्र में निधन हो गया था। वह लंबे समय से बीमार थीं। बताया जाता है कि उनके अंतिम संस्कार में इंडस्ट्री से जुड़ा को शख्स नहीं गया था।

राज कुमार की आखिरी फिल्म

राज कुमार की आखिरी फिल्म सल 1995 में आई थी, जिसका नाम- गॉड एंड गन था। इसमें राज बब्बर और जैकी श्रॉफ भी दिखाई दिए थे।

जिया शंकर ने दिखाया अपना हॉट अंदाज इनकी मस्तियों से छूटेगी कंपकंपी

30 साल की जिया शंकर कुंवारी हैं और अपनी मस्ती में मगन हैं। उन्होंने ग्रीस के एक आइलैंड से अपनी हलकट जवानी की कुछ तस्वीरें इंटरनेट पर शेयर की हैं, जिन्हें देख आपके शरीर में भी बिजली दौड़ना तय है। देखिए और जानिए उनके शादी और बच्चे के प्लान्स।

'बिग बॉस ओटीटी 2' फेम जिया शंकर इंडस्ट्री से दूर हैं लेकिन सोशल मीडिया पर कहर बरसाती रहती हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर जो अपनी लेटेस्ट फोटोज शेयर की हैं, उसे देख लोगों के तन-बदन में आग लग गई है। कुछ पर के शरीर में बिजली दौड़ गई है। उनकी 6वीं तस्वीर पर फैंस की निगाहें अटकी हैं और वह लट्टू हुए जा रहे हैं। समंदर किनारे इठलाती एक्ट्रेस की खूबसूरती का आप भी होगा असर, बिना देरी देख डालिए उनकी पटाखा झलकियां।

ग्रीस के मायोकोनॉस में जिया शंकर

जिया शंकर ने ग्रीस के Mykonos से अपनी दिलकश तस्वीरें शेयर की हैं। जिसमें वह बला की खूबसूरत लग रही हैं।

किसी के बदन में दौड़ी बिजली तो कोई बोला- मिसेज मल्हान

जिया शंकर की फोटो देख एक यूजर ने लिखा, 'चश्मा बढ़िया नहीं है।' एक ने लिखा, 'मिसेज मल्हान।' एक ने लिखा, 'आप पर पूरा कपड़ा ही अच्छा लगता है।' एक यूजर ने लिखा, 'लेकिन नॉर्मल ड्रेस पर ज्यादा अच्छा लगता है।' एक ने लिखा, 'बिट्टू की मम्मी।' एक ने लिखा, 'आपका फोटो देखते ही बॉडी में बिजली आ जाता है।' एक ने लिखा, 'काश मैं अंबानी होता... पूरा बॉलीवुड ही खरीद लेता आपके लिए।'

जिया शंकर के पिता का तलाक

जिया शंकर जब 13 साल की थीं, तभी उनके पिता का मां से तलाक हो गया था। इसके बाद उन्होंने अपने नाम के पीछे रैंडम ही 'शंकर' सरनेम लगा लिया।

जिया शंकर नहीं करेंगी शादी

जिया शंकर का पहले शादी का प्लान था लेकिन बाद में बदल दिया और कहा कि वह आजीवन कुंवारी रहेंगी। मां के साथ जीवन बिताएंगी। उन्होंने कहा था कि एक विला लेंगी, जहां वह और उनकी मां, दो कुत्ते होंगे।

दो बच्चे गोद लेंगी जिया शंकर

जिया शंकर पहले जॉइंट फैमिली में शादी करना चाहती थीं क्योंकि उन्हें परिवार का प्यार नहीं मिला और वह अपने होने वाले पति के परिवार से प्यार करना चाहती थीं। लेकिन बाद में प्लान कैंसिल किया और कहा कि वह दो बच्चे गोद लेंगी।

दर्दनाक ब्रेकअप, हुआ था पछतावा

जिया शंकर ने कहा था कि उनका ब्रेकअप हो गया था। उन्होंने उस रिश्ते में खुद को खो दिया और इसका पछतावा है। वह एक टॉक्सिक रिश्ते में थीं।

जिया शंकर चाहती हैं तीन बच्चे

जिया शंकर ने अपने एक व्लॉग में बताया था कि उन्हें अपने तीन बच्चे चाहिए। उन्हें अपना एक पूरा परिवार चाहिए।

भारत एक वैश्विक आर्थिक शक्ति बन चुका है : डॉ. दिनेश शर्मा

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान के नेतृत्व में एवियर इंस्टीट्यूट, सेक्टर-62 में नेक्स्ट जेन GST रिफॉर्म्स एवं आत्मनिर्भर भारत स्वदेशी संकल्प अभियान विषय पर एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. दिनेश शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ. महेश शर्मा, एवम पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर उपस्थित रही।

इस अवसर पर सांसद डॉ दिनेश शर्मा ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी सरकार लगातार जनता के बीच जाकर जीएसटी सुधारों के लाभ समझा रही है।

GST रिफार्मस पर भाजपा ने आयोजित किया सम्मेलन

दीपावली से पूर्व यह सुधार देशवासियों के लिए एक उपहार है, जिससे वस्तुएँ सस्ती होंगी और जनता की परचेजिंग पावर में वृद्धि होगी।

उन्होंने कहा कि आज का भारत पहले जैसा नहीं रहा ,अब भारत न तो डरता है, न झुकता है, बल्कि हर क्षेत्र में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि अब भारत केवल व्यापार का बाज़ार नहीं, बल्कि एक वैश्विक आर्थिक शक्ति बन चुका है। अमेरिका द्वारा टैरिफ़ लगाए जाने के बावजूद भारत का निर्यात लगातार बढ़ा है और घरेलू उत्पाद एवं उपभोग दोनों में वृद्धि हुई है।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर, चेयरमैन संदीप सिंह, चंदगीराम यादव, अमित त्यागी, महेश अवाना, प्रमोद बहल, मनीष शर्मा, विनोद शर्मा, युद्धवीर चौहान, ओमवीर अवाना, संजय बाली, गणेश जाटव,भूपेश चौधरी,अशोक मिश्रा, चमन अवाना, रामनिवास यादव, राहुल शर्मा, करतार चौहान, विकास जैन, दीनबंधु, रामकिशन यादव, सत्यनारायण महावर, नीरज चौधरी, गौतम शर्मा, मनीष तिवारी, मनोज चौहान, उमेश त्यागी, राजेंद्र अवाना, राजकुमार बंसल, अरुण चौहान, राम मेहर कौशिक, एहसान खान, मुक्तानंद प्रधान, लोकेश यादव, राजकुमार झा, लोकेश कश्यप, नरेश राणा, अतुल त्यागी, विनोद पारीक, कुलदीप चौहान, अमित कुमार त्यागी, सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

हैबतपुर के डूब क्षेत्र में चला ग्रेनो प्राधिकरण का बुल्डोजर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने हैबतपुर के डूब क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ बुधवार को बुल्डोजर चलाया। प्राधिकरण ने डूब एरिया में बने शिवम एंक्लेव के करीब 10 हजार वर्ग मीटर डूब एरिया पर हुए निर्माण को ध्वस्त कर दिया। अवैध रूप से बने करीब 10 घरों को तोड़ दिया गया। एनजीटी के आदेश पर सीईओ एनजी रवि कुमार के निर्देशानुसार ग्रेनो प्राधिकरण के परियोजना व भूलेख विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की है।

करीब 10,000 वर्ग मीटर जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया

दरअसल, डूब क्षेत्र में अतिक्रमण के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए एनजीटी ने सिंचाई विभाग से कार्रवाई कर रिपोर्ट मांगी थी। प्राधिकरण के अधिसूचित एरिया में होने के नाते ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण व सिंचाई विभाग ने पुलिस के सहयोग से यह कार्रवाई की। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक एके सिंह ने बताया कि ग्राम हैबतपुर के खसरा संख्या 180, 181, 184, 194, 195, 196, 198, 199, 201, 202, 206, 211 और 212 की जमीन हिंडन नदी के डूब क्षेत्र में स्थित है। डूब क्षेत्र होने के बावजूद कालोनाइजर चोरी-छिपे प्लॉटिंग कर रहे हैं। शिवम एंक्लेव के नाम से अवैध कालोनी बसा रहे थे। दूरदराज से रोजगार की तलाश में आने वाले लोग घर की चाहत में इन कालोनाइजरों से जमीन खरीद कर निर्माण कर लिए थे। इन लोगों को प्राधिकरण की तरफ से नोटिस भी जारी अतिक्रमण हटाने को कहा गया था, लेकिन कोई असर नहीं पड़ा। एनजीटी के आदेश पर प्राधिकरण के परियोजना विभाग, सिंचाई विभाग व पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अवैध निर्माण को ढहा दिया गया। इस कार्रवाई में 10 से अधिक निर्मित घर और 15 बाउंड्री वॉल को तोड़ दिया गया। सुबह करीब 7 बजे से कार्रवाई शुरू हुई और दो घंटे तक चली। इस कार्रवाई में 4 जेसीबी और 3 डंफरों का इस्तेमाल किया गया। अतिक्रमण हटाने के दौरान महाप्रबंधक एके सिंह, ओएसडी राम नयन सिंह, प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर, वरिष्ठ प्रबंधक सीवर विभाग विनोद शर्मा, वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार निम, प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक रतिक, प्रबंधक अभिषेक सिंह, नितीश कुमार और बिजेंद्र कुशवाहा, सहायक प्रबंधक राजीव मोटला, राम किशन, भूपेंद्र त्यागी सहित पुलिस पुलिस अधिकारी दीक्षा सिंह, पुलिस बल और सिंचाई विभाग की टीम मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश के युवा सीधे प्रधानमंत्री मोदी के सामने रख सकेंगे अपने विचार

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। युवाओं के लिए राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने का सुनहरा अवसर है। राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभाने वाले युवा सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने अपने विचार रख सकेंगे।

भारत सरकार के MY Bharat पोर्टल के माध्यम से देशभर के युवाओं को राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। विकसित भारत युवा नेता संवाद (VBYLD) 2026 की शुरुआत हो चुकी है, जो युवाओं को सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष अपने विचार प्रस्तुत करने का अनूठा मंच दे रहा है।

इस संवाद के प्रथम चरण में एक विशेष प्रश्नोत्तरी (क्विज) का आयोजन किया गया है, जिसका उद्देश्य युवाओं के ज्ञान, दृष्टिकोण और देश के प्रति उनके विचारों को परखना है। क्विज में भाग लेने वाले शीर्ष 10,000 विजेताओं को MY Bharat की ओर से विशेष उपहार प्रदान किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त 15 से 29 वर्ष के युवा MY Bharat पोर्टल (mybharat.gov.in) पर विकसित भारत युवा संसद (VBYP) एवं सरदार @150 जैसे अन्य महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी पंजीकरण कर भाग ले सकते हैं।

यह पहल युवाओं को नेतृत्व, नीति निर्माण एवं सामाजिक सहभागिता के अवसर प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने में सहभागी बनाएगी। गौतमबुद्ध नगर के युवाओं के लिए यह राष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा और दृष्टिकोण प्रदर्शित करने का ऐतिहासिक अवसर है।

मिशन शक्ति 5.0 : जिला अस्पताल में कन्या जन्मोत्सव का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही मिशन शक्ति 5.0 के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के जरिए महिलाओं के सशक्तिकरण तथा उनकी शिक्षा को लेकर अनेक कार्यक्रम हो रहे हैं। इसी के तहत जिला अस्पताल में कन्या जन्मोत्सव मनाया गया। जिला प्रोबेशन अधिकारी के निर्देशन में महिला कल्याण विभाग गौतमबुद्धनगर द्वारा जिला अस्पताल गौतमबुद्ध नगर में 'कन्या जन्मोत्सव' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सीएमएस डॉ अजय राणा रहीं, जिन्होंने अस्पताल में जन्मी 11 नवजात बालिका शिशुओं को बेबी किट वितरित कीं तथा उपस्थित अभिभावकों को कन्या सुमंगला योजना सहित विभिन्न महिला कल्याण योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

इस अवसर पर जिला अस्पताल की सीएमएस डॉ अजय राणा एवं उनका समस्त स्टाफ, महिला कल्याण विभाग से वन स्टॉप सेंटर इंचार्ज रिंकी रानी, हब टीम की डिस्ट्रिक्ट मिशन कोऑर्डिनेटर मीनाक्षी तथा जेंडर स्पेशलिस्ट सुनीता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का उद्देश्य बालिका जन्म को सम्मानित करते हुए समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण एवं जागरूकता को प्रोत्साहित करना रहा।

साइबर क्राइम जागरूकता और महिला सुरक्षा पर कार्यशाला आयोजित

नोएडा (चेतना मंच)। महादेव अपार्टमेंट, सेक्टर-73, नोएडा में बुधवार को साइबर क्राइम और महिला सुरक्षा पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में साइबर क्राइम और महिला सुरक्षा से जुड़े विशेषज्ञ मौजूद रहे। सोसाइटी के निवासी परिवार के साथ शामिल हुए और साइबर क्राइम और महिला सुरक्षा के बारे में जानकारी प्राप्त की।

इस दौरान सतवीर यादव, अध्यक्ष, महादेव अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन ने सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह कार्यशाला निवासियों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी। थाना सेक्टर-113 साइबर क्राइम से इंचार्ज एसपी सिंह व अन्य अधिकारियों ने बहुत रोचक ढंग से जानकारी दी। जिसमें अपने पासवर्ड को मजबूत और अनोखा बनाएं। एक ही पासवर्ड का उपयोग कई जगहों पर न करें।व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित व

अज्ञात स्रोतों से आने वाले ईमेल और लिंक पर क्लिक न करें। एवं सार्वजनिक वाई-फाई नेटवर्क का उपयोग करते समय सावधानी बरतने। यदि आप साइबर क्राइम का शिकार होते हैं तो तुरंत इसकी रिपोर्ट करें।इन बातों का पालन करके आप साइबर क्राइम से बच सकते हैं और अपने आप को और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकते हैं।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com

ब्रज क्षेत्र में मिल रहा है हर वर्ग का समर्थन

ब्रजवासियों की सेवा करने का लिया है संकल्प : पं. रविकांत मिश्रा

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी के प्रति समर्पित कर्मठ कार्यकर्ता पं. रविकांत मिश्रा को मथुरा के वृंदावन क्षेत्र में ब्राह्मणों समेत हर वर्ग का भरपूर समर्थन मिल रहा है।

सूत्रों की मानें तो दरअसल भाजपा हाईकमान द्वारा इस क्षेत्र से रविकांत मिश्रा के विधानसभा चुनाव लड़ने के संकेत मिल रहे हैं। बताया जाता है कि कई शीर्ष नेताओं ने उन्हें चुनाव की तैयारी करने की हरी झंडी भी दे दी है। इसी के तहत पं. रविकांत मिश्रा आये दिन वृदांवन के विभिन्न क्षेत्रों, मंदिरों, संस्थानों तथा विभिन्न बिरादरी के कार्यक्रमों में जाकर जनसंपर्क कर रहे हैं। यूं तो वे पिछले कई वर्षों से सप्ताह में एक बार मथुरा-वृंदावन जाते थे लेकिन अब उन्होंने अक्सर वहां जाकर जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। पूछने पर रविकांत मिश्रा ने बताया कि वे बृज में रहकर वहां के

निवासियों सेवा करने का उन्होंने संकल्प लिया है। वे इस संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए सक्रिय है। बता दें कि नोएडा में भी रविकांत मिश्रा न सिर्फ भाजपा के बल्कि विभिन्न ब्राह्मण तथा अन्य सामाजिक संगठनों में कई वर्षों से सक्रिय हैं। अब मथुरा-वृंदावन में भी उनकी पहचान व लोकप्रियता लगातार बढ़ती जा रही है। वृंदावन के लोगों का कहना है कि यदि वे वहां से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ते हैं तो उनकी जीत सुनिश्चित मानी जा रही है।